नवांकुर विद्यापीठ, गंजबासौदा

नवांकुर की अभिनव पहल

क्रमश:

अंक 55 माह-अप्रैल 2013

प्रति,

प्रकाशक : नवांकुर प्रकाशन, गंजबासौदा दूरभाष : 221066, 220769, 223399

अन्दर के पृष्ठों पर

सार-समाचार 1
सज़्पादकीय 3
अतिथि लेख 4
स्कूल-इन्फो 5
कैरियर 8
स्वास्थ्य लेख 12
शिक्षक की कलम 13
बच्चों की कलम 14
परीक्षा-परिणाम 24
नहीं छपी 31

परीक्षा-परिणाम विशेष

सज़्पादक मण्डलः
शैलेन्द्रकुमार पिंगले ''सुमन''
सन्दीप रावत
अजीतसिंह बैस
योगेश चतुर्वेदी
राजेन्द्र यादव
सुनील भावसार
नीलेश जैन

सार-समाचार

1. **ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल 5.3 करोड़ में बिके:**–ऑस्ट्रेलिया के आलराउण्डर ग्लेन मैक्सवेल आईपीएल के छठें संस्करण के लिए हुई नीलामी में सबसे महँगे खिलाड़ी साबित हुए। उन्हें मुम्बई इण्डियन्स ने 10 लाख अमेरिकी डॉलर (5.3 करोड़ रुपये) में खरीदा। अन्य खिलाड़ियों में श्रीलंकाई स्पिनर अजन्था मेण्डिस दूसरे स्थान पर रहे, जिन्हें पुणे वॉरियर्स ने 725000डॉलर में खरीदा।

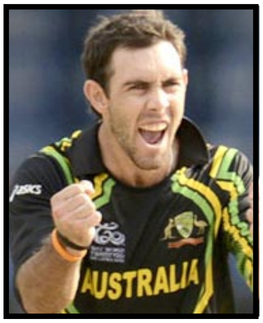

2. **कोहिनूर हीरा ब्रिटेन का है और भारत को नहीं लौटायेंगे–कैमरनः**–एक तरफ अमृतसर पहुँचर ब्रिटिश प्रधानमन्त्री डेविड कैमरन ने जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड पर अफसोस जाहिर किया, वहीं दूसरी और उन्होंने यह कहकर सबको हैरान कर दिया कि शाही ताज में जड़ चुके कोहिनूर पर सिर्फ उनका अधिकार है, इसलिए कोहिनूर भारत को नहीं लौटाया जायेगा। गौरतलब है कि दुनिया के सबसे बड़े हीरों में से एक कोहिनूर हीरे को अंग्रेज 19वीं सदी में भारत से ले गये थे। करीब 105 कैरट का यह हीरा ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ–प्रथम के ताज में जड़ा गया था।

3. **क्रिकेट को ओलिम्पिक में शामिल करने की माँग:**–एनसीसी (मेलबोर्न क्रिकेट क्लब) की विश्व क्रिकेट समिति ने 2024 ओलिम्पिक खेलों में 20–20 क्रिकेट को शामिल करने की माँग की है। 2010 में ट्वेण्टी– 20 क्रिकेट को ओलिम्पिक–मान्यता मिली थी। लेकिन इसे ओलिम्पिक खेलों में शामिल किये जाने के लिए आईसीसी (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद्) को आवेदन–पत्र करना होगा।

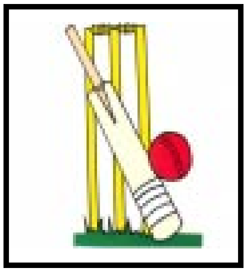

4. **धोनी बने भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान:**–किसी परीकथा की तरह भारतीय क्रिकेट के नायाब सितारे बनने वाले महेन्द्रसिंह धोनी ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 135 रन से हराकर भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बन गये हैं। धोनी की कप्तानी में टीम की रिकॉर्ड 22 वीं जीत है। धोनी ने पूर्व कप्तान सौरभ गाँगुली का रिकॉर्ड

तोड़ा।

5. **गर्भावस्था में घातक है, मोबाइल फोनः–** अमरीका और डेनमार्क के शोधकर्ताओं ने एक ताजा शोध में कहा है कि गर्भावस्था के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल खतरनाक है। जन्म लेने वाले शिशु पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और इसकी शारीरिक व मानसिक सक्रियता में भी कमी आ सकती है।

2. **अब डॉक्टरों को रोज करना होगा 45 मरीजों का इलाज और सर्जन करेंगे कम–से–कम 4 ऑपरेशनः**–सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य–सेवाएँ सुधारने के लिए अब राज्य–सरकार ने डॉक्टरों को मरीज देखने और आपरेशन करने का टारगेट दिया है। नयी व्यवस्था के तहत जिला अस्पताल में पदस्थ प्रत्येक फिजीशियन ओपीडी में हर दिन कम–से–कम 45 मरीजों की जाँच कर इलाज करेगा। वहीं सर्जन ड्यूटी वाले दिन दो मेजर व दो माइनर ऑपरेशन करेंगे। यह व्यवस्था लागू भी कर दी गयी है।

7. **दूध–दही खाने से हड्डियाँ होती हैं ज्यादा मजबूतः**– हार्वर्ड विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट फॉर एजिंग रिसर्च की शिवानी साहनी का कहना है कि कम वसा वाले दूध और दही जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में प्रोटीन कैल्शियम और विटामिन 'D' की मात्रा को बढ़ाते हैं।

8. **नेस्ले के खाद्य–पदार्थो में घोड़े का माँसः**–खाद्य उत्पाद बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कम्पनी नेस्ले उत्पादों में भी घोड़े का माँस मिलने की पुष्टि हुई है। नेस्ले ने इटली और स्पेन के बाजारों में अपने दो पास्ता उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी। जर्मनी की डिस्काउण्ट चेन लिडिल ने भी अपने खाद्य–पदार्थों में घोड़े का माँस पाये जाने के बाद डेनमार्क, स्विट्जरलैण्ड व फिनलैण्ड के बाजार से रेडिमेड उत्पादों को हटा लिया।

9. **छात्रवृत्ति, के फेलोशिप के लिए अब आधार कार्ड जरूरीः**–विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के छात्र अगर यूसीसी या राज्य–सरकारों से अपनी छात्रवृत्ति और फेलोशिप प्राप्त करना चाहते हैं, तो उसके लिए अब आधारकार्ड जरूरी होगा। विश्वविद्यालय अनुदान–आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग ने आधारकार्ड को छात्रों के बैंक–खातों से जोड़ने का निर्णय किया है, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति और फेलोशिप सुगमतापूर्वक प्रदान की जा सके।

10. **रेगुलेटर बतायेगा सिलेण्डर में कितनी गैसः–**हॉकर आपके सिलेण्डर से गैस निकालकर दे रहा है, तो घबरायेंगे नहीं। पेट्रोलियम–कम्पनियों ने इसका हल ढूँढ रही हैं। अब एक ऐसा रेगुलेटर बनाया गया है, जो सिलेण्डर में गैस की मात्रा के बारे में बतायेगा। इस रेगुलेटर का प्रारम्भिक प्रयोग बैंगलुरू में किया जा रहा है। प्रायोगिक सफलता के बाद इसे अन्य स्थानों पर लाया जा सकता है। यही नहीं, यह रेगुलेटर प्रतिदिन खर्च होने वाली गैस के बारे में भी बतायेगा।

11. **नेत्रहीन माँ को 27 हजार कि.मी. पैदल चलकर कराये चार धामः**– 87 साल की नेत्रहीन माँ की इच्छा पूरी करने के लिए बरगी (ग्वालियर) का 40 वर्षीय कैलाशगिरि ब्रह्मचारी इस कलियुग में श्रवण कुमार बन गया। अपने कन्धों पर कावड़ में माँ को बैठाकर 17 साल और कुछ महीनों में 27 हजार किमी. पैदल चलकर उसने चार धाम की तीर्थ–यात्रा पूरी करा दी। उसने 1995 में क्रम से रामेश्वर, जगन्नाथपुरी, बद्रीनाथ और द्वारका–धाम की यात्रा कर उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर यात्रा पूरी की है। हालाँकि संकल्प के मुताबिक वह माँ को गाँव तक कावड़ से ही ले जायेगा।

12. **डॉ. जगा ने बढ़ाया बासौदा का मान, भारत शिक्षा रत्न से हुए सम्मानितः**–गंजबासौदा के स्थानीय कृषि महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक/वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत डॉ. प्रवीण कुमार जगा को नयी दिल्ली में इण्डीव्यूजुअल कन्ट्रीब्यूशन फोर सोशयल एण्ड इकोनोमिक ग्रोथ विषय पर आयोजित हुए राष्ट्रीय सेमीनार में ग्लोबल अॅचीवर्स फाउण्डेशन द्वारा भारत–शिक्षा–रत्न से सम्मानित किया गया है। पूरे देश–भर से उप–विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को इस अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था, जिनमें से म.प्र. से केवल जगा को ही यह सम्मान प्राप्त हुआ। नवांकुर की रासेयो इकाई ने इस उपलब्धि पर डॉ. जगा को हार्दिक बधाई प्रदान की है।

13. **कक्षा–12 वाणिज्य प्रथम के छात्र–छात्राओं की सहृदयताः–**कक्षा–12 वाणिज्य (प्रथम) संकाय के छात्र–छात्राओं ने कक्षा में से 1700 रुपये की राशि एकत्र कर मित्र–योजना–प्रभारी श्री योगेश चतुर्वेदी को भेंट की है, जिसका उपयोग कक्षा–6 में अध्ययनरत् निर्धन छात्र का मासिक शुल्क भरने में किया जायेगा। यह राशि कक्षा–प्रतिनिधि कु. आयुषी जैन ने मित्र–योजना प्रभारी को भेंट की।

संकलनकर्त्ता–सुनील भावसार (उ.श्रे.शि.)

सम्पादकीय

प्रिय विद्यार्थियो,

आप सभीका परीक्षा–परिणाम आपके सामने है, आशा है, सुखद रहा होगा। कुछ विद्यार्थियों के परीक्षा–परिणाम आशा के अनुरूप नहीं होंगे, परन्तु ऐसी स्थिति में निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अपनी असफलता से सीख लें, जो कमियाँ आपने परीक्षा की तैयारी में शेष छोड़ी हैं, उन्हें भविष्य में सुधारें व जीवन के कड़े इम्तिहानों के लिए तत्पर हो जाइये, क्योंकि यही वह समय है, जब आप अपनी सफलता की इमारतें खड़ी करने के लिए नींव तैयार कर रहे हैं।

आज का युग प्रतिस्पर्द्धा का युग है और इस युग में वे ही छात्र आगे बढ़ते हैं, जिनका प्रयास सच्चा होता है। कुछ गिने–चुने महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देकर डिग्रियाँ इकट्ठी कर लेना आपकी योग्यता साबित नहीं करता। इसलिए अपने प्रयासों को गहनता दीजिये, तभी सफलता खुद–ब–खुद चलकर पास आयेगी। किसी साहित्यकार ने भी कहा हैः–

''अरे! हालात का रोना रोने वाले मत भूल तू,
तेरी किस्मत खुद–ब–खुद सँवर जायेगी।
रख दो–चार ही कदम मगर तबियत से,
तेरी तदबीर से ही तेरी तकदीर सँवर जायेगी।''

इसलिए पूरी सूझ–बूझ व तदबीर से प्रयास कीजिये। आपके माता–पिता, शिक्षक तभी आपकी सफलता में भागीदार हो सकते हैं, जब आपके अन्दर बैठा आपका आत्मविश्वास आपका दृढ़ संकल्प आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे। जिस प्रकार नीबू की एक बूँद दूध को दही बना देती है, माँ का एक आँचल सारी थकान मिटा देता है, ठीक उसी प्रकार एक दृढ़ निश्चय सारी परिस्थितियों से ऊपर उठकर आपको सफलता के चरम पर ले जाता है, परन्तु ध्यान रहे प्रयासों के साथ–साथ एक और प्रयास की आवश्यकता है कि हममें कोई अवगुण विकसित न होने पाये, क्योंकि एक अवगुण इस दुनिया में अपने साथी खोज ही लेता है और अवगुणों का यह संगठन न केवल स्वयं के सद्गुणों का नाश करता है, अपितु दुनिया के सद्गुणों के विनाश पर उतारू हो जाता है और परिणामस्वरूप समाज दूषित होता जाता है। एक अवगुण नीम के उस घूँट के समान होता है, जो शहद की मिठास को पल–भर में मिटा देता है, इसलिए कोई दूसरा आपको मार्गदर्शन दे, इससे पूर्व आपको स्वयं का आत्म–अवलोकन कर अपने को सवाँरना है, अपने समाज को सवाँरना है, अपने राष्ट्र को सवाँरना है, परन्तु इसके लिए जरूरत है, तो केवल आत्मसंकल्प की किसी कवि ने लिखा है किः–

तूफानों को जोर से घूरो, सैलावों पर वार करो।
मल्लाहों का चक्कर छोड़ो, तैरकर दुनिया पार करो।

–सन्दीप रावत
व्याख्याता–रसायन शास्त्र

प्रिय विद्यार्थियो,

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वर्तमान शिक्षा–सत्र समाप्त होने जा रहा है। इस सत्र में भी आप सभी ने कई उपलब्धियाँ अर्जित कीं और विद्यालय तथा अपने परिवार को गौरवान्वित किया, लेकिन सत्र–समाप्ति के ये अन्तिम दिन विद्यार्थियों के लिए बड़ा ही कठिन समय होता है, क्योंकि ये परीक्षाओं के दिन हैं। इन दिनों आपको बहुत कठिन परिश्रम की आवश्यकता है, क्योंकि अन्तिम दिनों में की गयी आपकी मेहनत आपका परीक्षा–परिणाम निर्धारित करती है, इसलिए आपको अब पूर्ण मन से, एकाग्रता के साथ केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना है। यह समय विद्यालय के लिए भी कठिन समय है, क्योंकि जिन पौधे–रूपी विद्यार्थियों को विद्यालय अपने ज्ञान–रूपी जल से सींचकर बड़ा करता है, उनमें से कुछ विद्यालय छोड़कर जाने वाले हैं। विद्यालय–परिवार उन सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ तथा आशीर्वाद प्रेषित करता है, जो अब अपने भविष्य की नींव रखने वाले है। आप भविष्य में वो सभी मकाम हासिल करें, जो आप चाहते हैं और आगे भी अपना तथा अपने परिवार का नाम रौशन करें, ईश्वर से हमारी प्रार्थना है; लेकिन आजकल प्रतिस्पर्द्धा के युग में कई कॉलेज अपने झूठे प्रचार–प्रसार तथा लुभावने विज्ञापनों के द्वारा आपको फाँसने का प्रयास भी करेंगे, तो आप इस बात का भी ध्यान रखना और एक सही मार्ग का चुनाव कर अपनी मंजिल के लिए आशावान् होना है।

–योगेश चतुर्वेदी (व्याख्याता भौतिकशास्त्र)

अतिथि-लेख

साम्प्रदायिक–सद्भाव

अपने देश में सद्भाव के ऐसे पैमाने हों,
परस्पर प्रेम भाई–चारे के अनुपम तराने हों।
कोई क्या फूट डालेगा वतन में तब बता 'प्रज्ञा',
जहाँ मस्जिद में हो गीता और मन्दिर में कुरानें हों।।
हमारे देश की पहिचान ही तो भाई–चारा है,
हमें आपस में मिल–जुलकर ही तो बनना सहारा है।
अगर लड़ते रहे हम दुश्मनों की चाल में आकर,
तो इक दिन देश को परतन्त्र होना ही दुबारा है।
यही है कामना मेरी कि ऐसी ही फिजाँ आये,
हिन्दु को अजानें मुस्लिमों को कीर्तन भाये।
बनें इंसान सच्चे हम तो खुश ईश्वर–खुदा होगा,
जवाहरलाल के सपनों का हिन्दुस्तान कहलाये।।

–संजय श्रीवास्तव 'प्रज्ञा'(अध्यापक शामावि, मलकपुर)
संकलनकर्ता–अक्षय श्रीवास्तव (कक्षा–6)

Every success story is also a story of a great failure

असफलता, सफलता हासिल करने का राजमार्ग है। आई.बी.एम. के टॉम वाट्सन सीनियर का कहना है '' अगर आप सफल होना चाहते हैं, तो अपनी असफलता की दर दुगनी कर दीजिये।''

एक आदमी की जिन्दगी की कहानी बड़ी मशहूर है। यह आदमी 21 साल की उम्र में व्यापार में नाकामयाब हो गया; 26 साल की उम्र में उसकी पत्नी मर गयी 27 साल की उम्र में उसका मानसिक सन्तुलन बिगड़ गया; 34 साल की उम्र में वह कांग्रेस का चुनाव हार गया; 45 साल की उम्र में उसे सीनेट के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा; 49 साल की आयु में उसे सीनेट के एक और चुनाव में नाकामयाबी मिली; 50 साल की आयु में वह उपराष्ट्रपति बनने में असफल रहा और वही आदमी 52 वर्ष की उम्र में अमेरिका का राष्ट्रपति चुना गया। वह आदमी कोई और नहीं, अब्राहम लिंकन था।

क्या आप लिंकन को असफल मानेंगे? वह शर्म से सिर झुका कर मैदान से हट सकते थे और अपनी वकालत फिर शुरू कर सकते थे, परन्तु लिंकन के लिए हार केवल एक भटकाव थी, सफर का अन्त नहीं।

सौजन्य से–जीत आपकी (शिव खेड़ा)

हरियाली–खुशहाली–चालीसा

पेड़ लगावैं बन्धुवर, करें पेड़ से प्यार।
पेड़ लगाकर कीजिये, इस जग का उपकार।।
रखें पेड़ से दिल का नाता, पेड़ हमारे हैं सुखदाता।।
धरा–गर्भ में छिपा जो पानी, वृक्षों की वह मेहरबानी।
रिम–झिम वर्षा पेड़ कराते, जीवन में हैं खुशियाँ लाते।
जीवनदाता पेड़ हमारे, पेड़ बिना जीवन अन्धियारे।।
अपना जीवन वृक्ष पर निर्भर, वृक्ष कटा तो जीवन दूभर।
वृक्ष करें तो करें विरोधा, नष्ट न होवे एक भी पौधा।।
गरमी में देते हैं छाया, वृक्ष अनोखी रब की माया।
गन्दी हवा पेड़ का भोजन, बदले में देता ऑक्सीजन।।
वर्षा उत्तम खेती उत्तम, पेड़ लगावें कृषक हरदम।
पर्यावरण को शुद्ध बनावैं, खेत की मेढ़ पर पेड़ लगावैं।
वन जीवों की जीवनधारा, पशुओं को देते हैं चारा।
वृक्ष की महिमा जग ने जानी, वृक्ष न हों तो गिरे न पानी।।
कीट करोड़ों वृक्ष पे रहते, छाया दे तरु ताप हैं हरते।
बिन आभूषण सजे न नारी, पेड़ों ने धरती श्रृंगारी।
पेड़ बनावैं धरा सुहागन, गुल्म–लता फल–फूल हैं भूषण।
पेड़ पर पंछी करें बसेरा, खुश हो कलरव करें घनेरा।।
वन–महोत्सव देश में, मनवायें हर साल।
हरियाली चहुँ दिश रहे, भारत हो खुशहाल।।

–सीताराम अहिरवार,
प्रधानाध्यापक शास.मा.वि. मलकपुर

मैं उस प्रभु का सेवक हूँ, जिसे मूर्ख लोग मनुष्य कहते हैं- स्वामी विवेकानन्द

स्कूल इन्फो

डॉल्फिन स्कूल में संपन्न हुआ प्रतिभा–सम्मान–समारोह

डॉल्फिन स्कूल में दिनांक 28.02.13 को भव्यतापूर्वक पारितोषिक–वितरण–समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

की अध्यक्षता श्री मुन्नालाल अग्रवाल ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में नवांकुर विद्यापीठ के वरिष्ठ शिक्षक शैलेन्द्र कुमार पिंगले तथा विशेष अतिथि के रूप में अविनाश डोंगरे, केशव लाहौरी, विजय कुमार शर्मा तथा कपिल गौड़ भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सरस्वती–पूजन व दीप–प्रज्वलन करके कार्यक्रम आरम्भ किया गया। कु. सिमी राय एवं ग्रुप ने सरस्वती वन्दना का गायन किया। विद्यालय के छात्र–छात्रा अनिरुद्ध शर्मा, नितिन रिछारिया व कु. सिनी महलवार व कु. शिल्पी रघुवंशी ने तिलक लगाकर व गुलदस्ता भेंट करके अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य रमेश कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में अतिथियों का परिचय देकर छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन प्रदान किया। तत्पश्चात् नैनसी एण्ड ग्रुप ने डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर राखी–प्रतियोगिता में कु. सिनी महलवार प्रथम, नमन मिश्रा द्वितीय कु. मोनिका रघुवंशी तृतीय, ग्रीटिंग–प्रतियोगिता में कु. रितिका चौधरी प्रथम, कु. रिचा माथुर द्वितीय, अभिनव जैन तृतीय, पेण्टिंग–प्रतियोगिता में कौशिक राव जाटव प्रथम, निकुंज बांगड़ द्वितीय, हर्ष कटारे तृतीय, रंगोली –प्रतियोगिता में अमन रघुवंशी प्रथम, कु.दिव्यांशी

जैन द्वितीय, कु. दीक्षा जैन तृतीय को प्रमाण–पत्र एवं उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।

तत्पश्चात् डॉजबॉल, रस्साखेंच, कीपरेस, स्पूनरेस, फ्रोगरेस–प्रतियोगिताओं में विजेता टीमों तथा त्रैमासिक व अर्द्धवार्षिक परीक्षा में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त और अधिकतम उपस्थिति दर्ज कराने वाले छात्र–छात्राओं को भी प्रमाण–पत्र

व उपहार देकर पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि शैलेन्द्र कुमार पिंगले ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अध्ययन के साथ खेल भी जरूरी है एवं क्रीड़ा –प्रतियोगिताओं में छात्र–छात्राओं को बिना पुरस्कार की आशा के भाग लेना चाहिये। अन्य अतिथियों ने भी छात्र–छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका कु. माधुरी भदौरिया ने तथा शिक्षिका कु. नीतू तनवानी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कॅरियर–मार्गदर्शन एवं क्रमशः–विमोचन–कार्यक्रम का भव्य आयोजन

विद्यालय में दिनांक 15.02.13 को प्रतिभा – सम्मान–समारोह व कैरियर–मार्गदर्शन–समारोह–2013 का धूमधाम से आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के कक्षा 9 से 12 तक के शत्–प्रतिशत् छात्र–छात्राएँ और पालकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च शिक्षा–विभाग के सेवा– निवृत्त प्राचार्य डॉ. आर.के. चौगाँवकर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में एस.ए.टी. आई के प्रो.के.के. पंजाबी तथा डॉ. संजीव नारायण शर्मा तथा विशेष अतिथि के रूप में कन्या महाविद्यालय के प्रो. मणिमोहन मेहता उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा दीप–प्रज्वलन व सरस्वती–पूजन के पश्चात् नवांकुर संगीत– विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा राग यमन पर आधारित 'जयति जयति जय माँ शारदे' सरस्वती –वन्दना तथा मध्यप्रदेश–गान का शानदार संगीतमय गायन प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात् राष्ट्रीय–सेवा–योजना का बैज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार दीक्षित ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत–भाषण दिया तथा विद्यालय की उपलब्धियों से परिचित करवाया।

इस अवसर पर विद्यालय की पुस्तकालय–प्रभारी कु. अफसाना शेख तथा नवांकुर की वेबसाइट लॉंच करने वाले विद्यालय के ही पूर्व छात्र तथा कम्प्यूटर– ऑपरेटर प्रियंक भावसार तथा उनके पिता शरद भावसार को स्मृति–चिह्न भेंट करके सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात् विद्यालय की सांस्कृतिक–प्रभारी कु. वन्दना भार्गव तथा संगीत–विद्यालय–प्रभारी रामकिशन राठौर द्वारा निर्देशित लोक नृत्य भाँगड़ा तथा नवांकुर की शिक्षिका कु. उपासना राजपूत द्वारा निर्देशित महाराष्ट्र के लोकनृत्य लावणी

तथा प्राथमिक कक्षा के बाल–कवि छात्र–छात्राओं द्वारा मनमोहक कवि –सम्मेलन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर नवांकुर की मासिक पत्रिका **"क्रमशः"** के 54वें अंक का वार्षिक अंक रूप में अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर दस्तक देकर विद्यालय और जिले का नाम रौशन करने वाले 6 छात्रों रवि कुशवाह व सौरभ बघेल (योग–प्रतियोगिता), डॉजबॉल में कु. नीलू दाँगी, शतरंज में कु. भारती बारोटिया तथा भगतसिंह रघुवंशी तथा विज्ञान इंस्पायर–योजनान्तर्गत मॉडल–प्रतियोगिता में कु. आयुषी तिवारी को भागीदारी करने पर ट्रेक–सूट, स्मृति–चिह्न तथा प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बालरंग में राज्य–स्तर पर भागीदारी करने पर कु. अंजलि आचार्य तथा चेतनसिंह राजपूत, जिले की हाईस्कूल प्रावीण्य–सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कु. उमा दाँगी तथा हा0से0 में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र प्रदीप राजपूत, राष्ट्रीय बाल–विज्ञान–कांग्रेस में राज्य– स्तर पर उपलब्धि अर्जित करने वाले छात्र लोकेन्द्र रघुवंशी, अभिषेक दाँगी, अक्षत शर्मा और उनके दल, डॉजबॉल–प्रतियोगिता में राज्य–स्तर पर भागीदारी करने वाले छात्र अरविन्द रघुवंशी, वकील रघुवंशी कु. दीक्षा आदिवासी तथा खो–खो–प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले छात्र विशाल रघुवंशी, योग– प्रतियोगिता में राज्य–स्तर पर भागीदारी करने वाले छात्र दीपेश साहू, गौरव साहू, शुभम कुशवाह तथा कु. ज्योति आदिवासी, कु. शीतल रघुवंशी कु. आयुषी जैन, यश राजपूत, सौरभ राठौर कु. मुस्कान ठाकुर, कु. प्रियांशी गुप्ता, कु. योगिता पाली तथा कु. रंजना पाल, शतरंज–प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले छात्र–छात्रा कु. पूजा रघुवंशी, कु. आरती बारोटिया, कु. साधना रघुवंशी, विशाल रघुवंशी और अभिषेक दाँगी तथा विज्ञान–मन्थन–यात्रा में छात्रवृत्ति की पात्रता हासिल करने वाले छात्र–छात्रा कु. मनीषा शर्मा, कु. आकांक्षा बैरागी, कु. क्षमा राय, शिवम रघुवंशी और अनिकेश दुबे को स्मृति–चिह्न और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कैरियर–मार्गदर्शन–कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसके अन्तर्गत अतिथियों ने छात्र–छात्राओं को कक्षा–12 के बाद विभिन्न क्षेत्रों में जाने से सम्बन्धित मार्गदर्शन दिया तथा उनके विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिये। कार्यक्रम के अन्त में अतिथियों को स्मृति–चिह्न भेंट करके सम्मानित किया गया। इस दौरान नवांकुर की वेबसाइट का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सन्दीप रावत ने तथा आभार डॉल्फिन स्कूल के प्राचार्य रमेश कुमार शर्मा ने किया।

विज्ञान–मन्थन–यात्रा में नवांकुर के 5 छात्रों ने छात्रवृत्ति की पात्रता हासिल की

कु. मनीषा शर्मा

कु. आकांक्षा वैरागी

कु. क्षमा राय

शिवम रघुवंशी

अनिकेश दुबे

नवांकुर के पाँच छात्र–छात्राओं कु. मनीषा शर्मा, कु. आकांक्षा वैरागी, कु. क्षमा राय, शिवम रघुवंशी और अनिकेश दुबे ने विज्ञान–मन्थन–यात्रा के दौरान आयोजित परीक्षा में छात्रवृत्ति की पात्रता हासिल करके जिले का नाम रौशन किया है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा कक्षा 8 से 12 तक के मेधावी छात्र–छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विज्ञान–मन्थन–यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस यात्रा के उपरान्त परिषद् द्वारा उत्कृष्टता–परीक्षा (Mission Excellence) आयोजित की जाती है तथा परीक्षा में सफल प्रथम 100 छात्रों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है। इस छात्रवृत्ति के अन्तर्गत सफल छात्र–छात्राओं को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा अध्ययनकाल में 500/–रु. प्रतिमाह शिष्यवृत्ति व 1000/–रु. पुस्तकें आदि क्रय करने के लिए प्रदान किये जाते हैं। गौरतलब है कि पूरे मध्यप्रदेश से 625 छात्र–छात्राओं का चयन लखनऊ, अहमदाबाद, हैदराबाद, बैंगलोर व चैन्नै आदि शहरों के विभिन्न विज्ञान–केन्द्रों व विज्ञान–संस्थाओं का भ्रमण करने के लिए किया गया था, जिनमें से 23 छात्र–छात्राएँ विद्यालय से सम्मिलित हुए। इन 625 छात्र–छात्राओं में से 100 उत्कृष्ट छात्र–छात्राओं का चयन एक विशेष परीक्षा के द्वारा छात्रवृत्ति के लिए किया गया है, जिसमें उपर्युक्त पाँच छात्र–छात्रा नवांकुर उ0मा0विद्यालय गंजबासौदा के सम्मिलित हैं।

स्कूल इंफो सुनील भावसार (उ.श्रे.शि.) द्वारा

धर्म कभी धक्का नहीं देता और धार्मिक व्यक्ति कभी धोखा नहीं देता।

कैरियर

एनडीए

सेना में अधिकारी बनने के महत्त्वाकांक्षी युवाओं के लिए सबसे अच्छा प्रवेश–द्वार एनडीए(नेशनल डिफेंस अकेडमी)/एनए है। साल में दो बार, अप्रैल और अगस्त महीने में आयोजित होने वाली परीक्षा इस द्वार में प्रवेश की पहली बाधा है, जिसे पार कर अगला द्वार पार करना होता है। एसएसबी का साक्षात्कार और फिर मेडिकल बोर्ड आपको राष्ट्रीय रक्षा एकेडमी/नौसेना एकेडमी जैसे सर्वोच्च संस्थानों में दाखिला दिया सकते हैं। कोर्स में दाखिले की योग्यता 12वीं पास है, लेकिन 12वीं की परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी भी इसमें शामिल हो सकते हैं। ऐसा कर आप अपना एक साल बचा सकते हैं। किसी परीक्षा में कामयाबी के लिए जल्द शुरूआत अच्छी रहती है। दृढ़संकल्प छात्र 10वीं की परीक्षा के तुरन्त बाद इसकी तैयारी शुरू कर देते हैं। यह कोई नियम तो नहीं, लेकिन एनडीए की परीक्षा विज्ञान विषय के छात्रों के लिए थोड़ी आसान हो जाती है, क्योंकि इसमें पूरे 300 अंक का गणित का पेपर होता है। इन सवालों की कठिनाई के बारे में जानने के लिए पिछले कुछ सालों के प्रश्न–पत्रों पर नजर दौड़ाइये। पीसीएम (भौतिकी, रसायनशास्त्र और गणित) के छात्रों के लिए गणित चिन्ता का विषय नहीं, लेकिन वह अक्सर अन्य क्षेत्रों जैसे भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र और अंग्रेजी की अनदेखी कर देते हैं।

बेसिक से करें शुरूआत–

स्कूल जाना, होमवर्क करना और मनोरंजन के कुछ पलों के बीच एनडीए के छात्रों को अपने लिए बहुत कम समय मिल पाता है। जब भी मौका मिले, 10वीं के सामाजिक विज्ञान के पाठों को दोहरायें समय निर्धारित करें, सप्ताह में कम–से–कम एक बार 10वीं की टैक्स्ट बुक पढ़ें और भूगोल एवं इतिहास पर ध्यान केन्द्रित करें। मानेक मिस्त्री, जो अगले साल परीक्षा देने की तैयारी में हैं, का कहना है कि वह एटलस (दुनिया का मानचित्र) का अध्ययन करने में अतिरिक्त मेहनत कर रहे हैं। मानेक कहते हैं, कई प्रश्नों में जवाब तभी दिये जा सकते हैं, जब आप भू–भाग की कल्पना कर सकें और नक्शे में पूछे गये इलाके को तलाश सकें। बैंगलूरु एक समुद्री शहर है या नहीं, इसका जवाब आप तभी दे पायेंगे, जब आप मानचित्रों का अध्ययन नियमित रूप से करेंगे।

सामान्य ज्ञान सुधारिये–

आदर्शतः आपको रोजा अखबार पढ़ना चाहिए, लेकिन यह हमेशा नहीं होता है। ऐसे में, आपको किसी भरोसेमन्द ईयरबुक की प्रति लेनी चाहिये, जिसमें खेल, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाएँ, लोकप्रिय पुस्तकों एवं उनके लेखकों के बारे में जैसी सामान्य जानकारियाँ होती हैं। समसामयिक विषयों से जुड़ी पत्रिकाएँ भी ले सकते हैं। यह आपको सामान्य ज्ञान के प्रति ताजातरीन रखेंगी। अगर समय है, तो एक डायरी में सूचनाएँ, चार खण्डों आर्थिक, नागरिकशास्त्र, समसामयिक घटनाएँ और इतिहास में बाँट कर नोट कर लें।

अंग्रेजी पर पकड़ बनाइये–

अंग्रेजी का खण्ड 200 अंकों का होता है और इसे हलके में नहीं लेना चाहिए। रोज थोड़ी–थोड़ी पढ़ाई से अच्छे अंक हासिल किये जा सकते हैं। अंग्रेजी का इस्तेमाल, विषय–क्रिया सम्बन्ध, काल और प्रिपोजिशंस जैसे क्षेत्रों में विशेष तैयारी करने की जरूरत होती है। चण्डीगढ़ में कोचिंग संस्थान, ऑलिव ग्रींस के सीईओ नानू सिंह बताते हैं, गलतियाँ खोजने और गड़बड़ (जंबल्ड) शब्दों को ठीक करने जैसे सवाल परीक्षा में नियमित रूप से आते हैं। आर्टिकल्स के इस्तमाल पर ज्यादा मेहनत करें।

पाठ्यक्रम–

गणितः–इसमें अंकगणित, क्षेत्रमिति, बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति और सांख्यिकी शामिल हैं। सवालों के जरिये आपकी अवधारणात्मक समझ परखी जाती है। परीक्षा की तैयारी के दौरान मौलिक अवधारणाओं को सही तरह से

माता-पिता व गुरु से बढ़कर इस दुनिया में कोई बड़ा तीर्थ नहीं है।

समझ लें। साथ ही तेजी से जवाब देने के तरीके भी सीखें। सवाल पूरे पाठ्यक्रम से पूछे जाते हैं, इसलिए किसी खण्ड को न छोड़ें। हर बार की परीक्षा में द्विघातीय समीकरण से सवाल होते हैं। बीजगणित और ज्यामिति में बहुत अच्छे अंक आ सकते हैं, अगर इनके मूल सिद्धान्त पता हों। समय निकालें और गणित के मॉडल प्रश्न–पत्र का ज्यादा–से–ज्यादा अभ्यास करें।

सामान्य योग्यता–

इसमें 2 भाग हैं–(अ) अंग्रेजी और (ब) सामान्य ज्ञान। भाग (ब) में छः खण्ड होते हैं, जिनके नाम हैं–खण्ड–1 (भौतिकी), खण्ड–2 (रसायनशास्त्र), खण्ड–3 (सामान्य विज्ञान) खण्ड–4 (इतिहास, स्वतन्त्रता–आन्दोलन), खण्ड–5 (भूगोल) और खण्ड–6 (वर्तमान घटनाक्रम)। परीक्षा में भाग (ब) से ज्यादा अंकों के सवाल आते हैं। याद रखिये, उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में चुने गये विषयों पर आधारित होने की वजह से तैयारी की आपकी योजना प्रभावित हो सकती है। विज्ञान विषय के विद्यार्थियों को थोड़ा लाभ मिल जाता है, क्योंकि 50 फीसदी सवाल विज्ञान विषयों से होते हैं।

खुद को पहचानें–

यद्यपि लिखित परीक्षा केवल पहली बाधा है। साक्षात्कार दो भाग में बँटा होता है। पाँच दिनों के साक्षात्कार–प्रोग्राम में पहले ही दिन उम्मीदवारों को छाँट लिया जाता है और फिर छँटे हुए उम्मीदवारों में अधिकारियों के गुणों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें से कुछ गुण तो जन्मजात होते हैं, लेकिन सौभाग्यवश बाकियों को लगातार अभ्यास से सीखा जा सकता है। व्यक्तित्व की विशेषता जैसे सामाजिक स्वीकार्यता, सामाजिक समझ और जिम्मेदारियों का अहसास पर, मेहनत कर सुधार लाया जा सकता है।

एसएसबी का साक्षात्कार बहुत कठिन होता है और उसमें सफल होना आसान नहीं हैं, लेकिन वर्ड एसोसिएशन टेस्ट (डब्ल्यूएटी), थिमेटिक एप्रिसिएशन टेस्ट (टीएटी), सिचुएशन रिएक्शन टेस्ट (एसआरटी) और सेल्फ डिस्क्रिप्शन (एसडी) जैसे मनोवैज्ञानिक टेस्ट के अभ्यास से सोच में स्पष्टता आयेगी और यह आपको अपनी बेहतर तस्वीर प्रस्तुत करने में समक्ष बनायेगा। सुधार के लगातार प्रयास करना, किसी अधिकारी का सबसे महत्त्वपूर्ण गुण होता है।

यह पूरी तरह से मन की शक्ति पर निर्भर होता है। प्रयास जारी रखिये।

–कॅरियर्स 360 (नवांकुर पुस्तकालय से)

नर्सिंग

हालाँकि चिकित्सा में डॉक्टरों की भूमिका सर्वोपरि है, लेकिन उनकी मदद करने में नर्सों की भूमिका पर्दे के पीछे के कलाकारों की तरह होती है। वे मरीजों की देखभाल करती हैं, उन्हें सेवा के द्वारा स्वस्थ बनाने का उत्तरदायित्व इनके कन्धों पर होता है। इतिहास के झरोखे में देखें, तो फ्लोरेंस नाइटिंगेल सबसे प्रसिद्ध नर्स रही हैं। वे 'द लेडी विद् द लैंप' के नाम से विख्यात रही हैं। सुशिक्षित और धनाढ्य होने के बावजूद कॅरियर के लिए उन्होंने नर्सिंग को चुना। उनकी वजह से एक पेशे के तौर पर समाज में नर्सिंग को नयी ऊँचाई मिली। अधिकांश नर्स महिलाएँ ही होती हैं, लेकिन अब पुरुष भी नर्सिंग क्षेत्र का चुनाव कर रहे हैं। ऐसे पुरुष नर्सों का दायरा आईसीयू जैसे कुछ वार्डों में ही सीमित है, जहाँ उन्हें मरीजों के साथ अधिक इण्टरेक्शन की जरुरत नहीं पड़ती।

कोर्सः–

एक छात्र के तौर पर नर्सिंग के पेशे में उतरने के कई रास्ते हो सकते हैं। इसके लिए आप डिप्लोमा ग्रेजुएट या पोस्टग्रेजुएट कोर्स का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा मिडवाइफरी कोर्स भी किया जा सकता है, हालाँकि कुछ नर्सिंग कोर्सों के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही इसकी पढ़ाई करवायी जाती है। बीएससी नर्सिंग कोर्स अधिक लोकप्रिय है। इसकी वजह यह है कि इसमें नर्सिंग के अलावा प्राथमिक चिकित्सा और मिडवाइफरी की जानकारी भी दी जाती है।

यह आमतौर पर चार वर्ष का कोर्स होता है। इसमें दाखिले के लिए छात्र को 12वीं गणित, भौतिकी और रसायन के साथ पास होना चाहिए। ऑग्जिलरी नर्स मिडवाइफ/हेल्थ वर्कर (एएनएम) और जनरल नर्सिंग एण्ड मिडवाइफरी प्रोग्राम (जीएनएम) अन्य उपलब्ध कोर्स हैं।

उच्च शिक्षाः–

उच्च अध्ययन के लिए नर्सिंग में एमएससी की जा सकती है। इस कोर्स की अवधि दो वर्ष है। अपने उच्च–अध्ययन को जारी रखते हुए कुछ लोग नर्सिंग में एमफिल और

पीएचडी भी करते हैं, लेकिन इस विकल्प का चुनाव करने वालों की संख्या अभी सीमित है। वहीं प्रोग्राम के साथ–साथ किये जा सकने वाले स्पेशियलिटी डिप्लोमा की ओर लोगों का रुझान बढ़ा है।

जॉब प्रोफाइलः–

एक नर्स में धैर्य, उत्तरदायित्व और समर्पण होना चाहिए। साथ ही, यह पेशा हर वक्त सतर्कता और जागरूकता की माँग करता है। करुणा और विनम्र व्यवहार के साथ ही सामूहिक भावना भी व्यक्ति में होनी चाहिए। उम्मीदवार को शारीरिक रूप से चुस्त–दुरुस्त होना चाहिए, क्योंकि आमतौर पर घण्टों खड़े–खड़े ही काम करना होता है।

नौकरी के मौकेः–

अस्पताल के हर विभाग जैसे– सर्जरी, मैटरनिटी, इमरजेंसी, पुनर्वास में ये पेशेवर काम करते हैं। अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, हेल्थ डिपार्टमेण्ट, ओल्ड एज होम, अनाथालय, स्कूल, रेलवे, सरकारी स्वास्थ्य–विभागों, रिसर्च तथा सेना, नौसेना तथा वायु–सेना में भी इनके लिए अवसर हैं। हॉस्पिटल नर्सों को रोजगार प्रदान करने वाला सबसे बड़ा क्षेत्र है। पब्लिक हेल्थ नर्सिंग/कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग भी एक विकल्प है। आपको सरकारी ग्रामीण इलाकों में खास तबकों को आधारभूत चिकित्सा–सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रहे स्वास्थ्य–विभागों में रोजगार मिल सकता है। दूतावासों, बड़ी कम्पनियों और स्कूलों को भी योग्य नर्सों की जरूरत होती है।

वेतनः–

विदेश या सरकारी क्षेत्र में नौकरी करना इन पेशेवरों की पहली पसन्द बना हुआ है। नर्सिंग पेशेवर को ऑफर किये जाने वाला वेतन कई बातों, जैसे–कोर्स, दक्षता, अनुभव पर निर्भर करता है। नर्स को शुरूआत में 10,000 से 12,000 रुपये मासिक मिलता है, विदेशों में नर्सों को बहुत बेतहर पैकेज मिलता है। वहाँ उन्हें वेतन के अलावा पैकेज में स्वास्थ्य–बीमा, अवकाश–भुगतान, पेंशन, वार्षिक–अवकाश जैसी सुविधाएँ भी मिल सकती हैं। अमेरिकी में नर्सों को बतौर साइनिंग बोनस 2 हजार से 10 हजार डॉलर तक मिलते हैं। एक वर्ष के अनुभव वाली पंजीकृत नर्सों को 17 डॉलर प्रति घण्टे मिलते हैं। वहीं ऑड–ऑवर ड्यूटी करने पर 2–3 डॉलर प्रति घण्टे की प्रीमियम मिलता है। विदेश में सेवा अनुबन्ध से पहले यह जरूर देख लें कि कदाचार और कानूनी अड़चनों के लिए बीमा कवर मिला है।

सम्भावनाएँः– हेल्थकेयर इण्डस्ट्री में तेज गति से विकास हो रहा है और योग्य नर्सों की भी माँग बढ़ी है। नेशनल स्किल डेवलपमेण्ट काउंसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि आगामी दशक में 90 लाख नर्सों की जरूरत होगी। यदि लगता है कि बीमार व्यक्ति की सेवा का भाव आप में है, तो यह आपके लिए है।

–कॅरियर्स 360 (नवांकुर पुस्तकालय से)

लैब टेक्नीशियन

आमतौर पर क्लीनिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन को मेडिकल टेक्नीशियन या मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन भी कहा जाता है। ये लोग लेबोरेट्री टेस्ट करते हैं, जिससे रोग की पहचान, निदान और इलाज में मदद मिलती है। क्लीनिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन क्लीनिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट्स और पैथालॉजिस्ट्स के नीचे काम करते हैं। (पैथालॉजिस्ट्स रोग की पहचान यानी डायग्नोस के विशेषज्ञ होते हैं।)

हालाँकि ये लोग स्वतन्त्र इकाई के रूप में ही काम करते हैं, लेकिन वे हेल्थकेयर टीम का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। एमएलटी डिप्लोमा प्रोग्राम आपको, अस्पतालों, सरकारी और निजी लेबोरेट्रीज, एम्बुलेट्री, हेल्थकेयर सर्विसेस यानी ब्लड एण्ड आर्गन बैंक, आउट पेशेण्ट केयर सेण्टर और लेबोरेट्री उपकरणों की बिक्री करने वाली फर्मों में नौकरी दिलवा सकता है। यह बड़ी संख्या में रोजगार देने वाला क्षेत्र है।

कॅरियर की शुरूआत–

लैब टेक्नोलॉजी में किये जाने वाले कुछ कोर्स हैं– बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी (बीएमएलटी), डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी (डीएमएलटी)। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट्स के लिए बीएमएलटी कोर्स के तहत छात्रों को रक्त, पेशाब, मल, सेरेब्रोस्पिनल फ्लुइड, सिनोवियल (स्राव) का क्लीनिकल लेबोरेट्री विश्लेषण करने में प्रशिक्षित किया जाता है, ताकि डॉक्टरों को रोग की सही पहचान और उसके इलाज में मदद मिल सके। लैब टेक्नीशियन/असिस्टेण्ट के तौर पर कॅरियर बनाने के लिए डिप्लोमा और सर्टीफिकेट कोर्स भी उपलब्ध हैं। कुछ कोर्स सामान्य तरह के होते हैं और कुछ स्पेशलाइज्ड वाले।

इसके आगे स्पेशलाइजेशन आपके लिए शोध, अपराध

विज्ञान (फोरेंसिक), फार्मास्युटिकल और इण्डस्ट्रियल लेबोरेट्रीज में कॅरियर के अवसर खोल सकते हैं। एमएलटी में कोर्स करने के लिए ऐसे संस्थान तलाशें, जहाँ सर्टिफाइड लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही पढ़ाते हों।

बैचलर ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स करवाने वाले कुछ संस्थान हैं– अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेस, ठाणे और इंस्टीट्यूट ऑफ पैरा मेडिकल मैनेजमेण्ट एण्ड टेक्नोलॉजीस, नयी दिल्ली।

जॉब प्रोफॉइलः–

मेडिकल टेक्नोलॉजी, निर्देशों के अनुसार लेबोरेट्री टेस्टिंग करते हैं। ये लोग टेक्नोलॉजिस्ट या सुपरवाइजर्स के अधीन काम करते हैं। टेक्नीशियन नमूना तैयार करते हैं और ऐसी मशीन ऑपरेट करते हैं, जो अपने आप नमूनों का विश्लेषण कर परिणाम सामने ला देती है। टेस्ट करने के अलावा टेक्शीनियन, सेण्ट्रीफ्यूजेस, माइक्रोस्कोप जैसे लेबोरेट्री उपकरणों की सफाई और रख–रखाव के लिए भी जिम्मेदार होते हैं। लेबोरेट्री में इस्तेमाल होने वाले साल्यूशंस भी तैयार करते हैं और प्रयुक्त होने वाले केमिकल्स की मात्रा जाँचते हैं।

स्पेशलाइज्ड उपकरणों और तकनीक का इस्तेमाल कर टेक्नीशियन सारे टेस्ट करता है, ताकि डॉक्टर रोग की सही पहचान कर सकें और इलाज शुरू कर सकें। ब्लड टेस्ट, शरीर से नमूने के लिए, लिये गये अन्य द्रव्यों के विश्लेषण की जाँच की रिपोर्ट भी ये लोग तैयार करते हैं। इस तरह ये चिकित्सा में अहम भूमिका रखते हैं।

वेतनः–

वेतन उम्मीदवार के अनुभव के अनुरूप होता है। इसीलिए अच्छे संस्थान से इण्टर्नशिप बहुत महत्त्वपूर्ण साबित होती है। कुछ रिसर्च लैब टेक्नीशियन शोध करने वाले चिकित्सा संस्थानों में भी काम करते हैं, जहाँ वे रोगों के नये इलाज और नयी दवाओं के बारे में सीखते हैं। सरकारी और निजी संस्थान एमएलटी में डिप्लोमा कराते हैं। सरकारी अस्पताल, नर्सिंग होम ओर हेल्थ–सेण्टर्स के अलावा निजी संस्थान भी सीधे ट्रेनिंग संस्थानों से नियुक्तियाँ करते हैं।

आगे की राहः–

अनुभव आपको बहुत कुछ सिखाता है और आप विशेषज्ञता हासिल कर नवीनतम तकनीक का ज्ञान अर्जित करते जाते हैं। यदि आप माइक्रोबायोलॉजी, हीमेटालॉजी, बायोकेमिस्ट्री और हिस्टोपैथालॉजी में स्पेशलाइजेशन रखते हैं, तो आप दूसरों के मुकाबले बढ़त हासिल कर लेते हैं।

प्रतिष्ठित फार्मा कॉलेज

1. एनआईपीईआर, मोहाली
2. यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, पंजाब यूनिवर्सिटी
3. मनिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, मनिपाल
4. बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कलीना मुम्बई
5. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, ऊटी
6. यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, काकातीय यूनिवर्सिटी, वारंगल
7. एलएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अहमदाबाद
8. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, डॉ. एचएस गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्यप्रदेश
9. इस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी), मुम्बई (पूर्व में यूडीसीटी)
10. फार्मेसी ग्रुप, बिट्स पिलानी
11. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, आईटी बीएचयू
12. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, बीआईटी, मेसरा राँची
13. जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मैसूर
14. डेलही इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस एण्ड रिसर्च, दिल्ली
15. अल–अमीन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बेंगलुरू
16. पूना कॉलेज ऑफ फार्मेसी, भारती विद्यापीठ, पुणे
17. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मेसी, एमएस यूनिवर्सिटी
18. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, नागपुर यूनिवर्सिटी
19. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस, आन्ध्रा यूनिवर्सिटी
20. स्कूल ऑफ फार्मेसी, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इन्दौर
21. गोवा कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पणजी गोवा
22. फैकल्टी ऑफ फार्मेसी, जामिया हमदर्द दिल्ली
23. केएलईयू का कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बेलगाम कर्नाटक
24. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मेसी, मद्रास मेडिकल कॉलेज
25. डिपार्टमेण्ट ऑफ फार्मास्यूटिकल टेक्नोलॉजी, जाधवपुर यूनिवर्सिटी,
26. पीएसजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कोयम्बटूर
27. गवर्नमेण्ट कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, बैंगलूरु

–कॅरियर्स 360 (नवांकुर पुस्तकालय से)

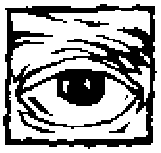

स्वास्थ्य

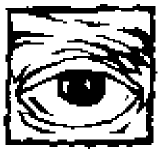

नेत्र कुदरत की अनमोल देन

वैसे तो मानव शरीर में प्रत्येक अंग महत्त्वपूर्ण है, पर इन सबसे महत्त्वपूर्ण है– नेत्र। नेत्र का महत्त्व वही व्यक्ति समझ सकता है, जो देख नहीं सकता।

नेत्र की सुरक्षा बच्चे के जन्म के तुरन्त बाद से शुरु करना चाहिये। जन्म के समय कई बच्चों की आँखों में इंफेक्शन होने से मवाद बनना शुरू हो जाती है। यदि इसका तुरन्त इलाज शुरू नहीं किया गया, तो आँख की रौशनी जाने का खतरा रहता है। इसी प्रकार काजल नहीं लगाना चाहिये। काजल लगाने से बच्चे की आँसू की थैली का छेद बन्द हो जाता है और अक्सूर की बीमारी हो जाती है। खराब काजल से इंफेक्शन का खतरा भी रहता है।

बच्चे को बार–बार दस्त लगने से या मीजल्स होने पर शरीर में विटामिन A की कमी हो जाती है। इससे आँख की पुतली (कार्निया) सफेद होकर गलने लगती है। यदि उक्त स्थिति हो जाती है, तो फिर आँख की रौशनी वापिस नहीं आ सकती।

छोटे बच्चों को अक्सर पेंसिल या नुकीली चीज से आँख में चोट लगने से छाला हो जाता है। यदि छाले का नेत्र–विशेषज्ञ से उचित इलाज नहीं करवाया, तो आँख की कार्निया में सफेदी (छट या फूली) पड़ सकती है, जिससे आँख की रौशनी हमेशा के लिए कम हो जाती है। इसलिए झोलाछाप डॉक्टर से कभी आँखों का इलाज नहीं करवाना चाहिये।

गर्मियों में विशेषज्ञतः ग्रामीण क्षेत्रों में धूल–भरी हवाएँ चलती हैं, जिससे आँख में बार–बार इंफेक्शन, धूल के आँख में जाने से, होता रहता है। आँख को मसलने से धूल के कणों से आँखों में छाला हो सकता है। इस कारण मोटरसाइकल पर या बस, ट्रेन में यात्रा करते समय धूप का चश्मा पहनकर जाना चाहिये।

40 वर्ष की उम्र के पश्चात् स्वस्थ व्यक्ति को पढ़ने के चश्मे की जरूरत होती है। इस उम्र में सभी को चश्मे की जाँच करवाना चाहिये। 50 वर्ष की उम्र के पश्चात् प्रतिवर्ष आँखों का नियमित चैकअप करवाना चाहिये, क्योंकि इस उम्र में मोतिया बिन्द एवं काँचबिन्द की बीमारी शुरू हो जाती है। यदि उक्त सभी बातों पर ध्यान देकर सावधानी रखी जाये, तो आँखों की लगभग 80–90% बीमारियों से बचा जा सकता है। अंग्रेजी की कहावत भी है कि–"Prevention is better than cure."

–डॉ. प्रदीप जैन MBBS, DOMS नेत्र–विशेषज्ञ,
राजीव गाँधी शासकीय जन–चिकित्सालय,गंजबासौदा

मनीष दुबे को मिला ''डायरेक्टर मेडल–2013''

विद्यालय के पूर्व छात्र मनीष दुबे पुत्र श्री कृष्ण कुमार दुबे, जो एक्सीलेंस कॉलेज, भोपाल में अध्ययनरत् हैं, उन्हें उच्च–शिक्षा उत्कृष्टता–संस्थान, भोपाल के वार्षिकोत्सव'' तरंग–2013'' में डायरेक्टर मेडल–2013 (संचालक–पदक) से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार अकादमिक एवं गैर–शैक्षणिक गतिविधियों में तीन वर्षों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार माननीय श्री लक्ष्मीकान्त शर्मा, उच्चशिक्षा मन्त्री म.प्र. शासन द्वारा मनीष दुबे को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. निशा दुबे (उपकुलपति, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल) एवं प्रमिला मैनी (डायरेक्टर उ.शि.उ.संस्थान) उपस्थित थे।

भाग्यवान उसे कहते हैं, जिसका धन सेवक है, वह नहीं, जो धन का सेवक है।

शिक्षक की कलम

श्रम का महत्त्व

आज यदि हम अपने चारों ओर नजर डालें, तो पायेंगे कि आज प्रत्येक व्यक्ति किसी–न–किसी बीमारी से ग्रस्त है। इसका कारण यह है कि आज का मनुष्य शारीरिक श्रम व मेहनत से दूर हो रहा है और आरामदेह जीवन का आदी हो रहा है। श्रम के महत्त्व को दर्शाती हुई एक कहानी– ''बीमारियों को सभी ने भगा दिया। वे एक पहाड़ के पास आयीं और बोलीं, हमें आश्रय दे दो। पहाड़ ने स्वीकार कर लिया। रोज पूछतीं पहाड़ से, कोई सेवा हो, तो बतायें, पहाड़ हँस देता। एक दिन उस क्षेत्र के किसानों ने निर्णय किया कि पहाड़ को काटकर खेत बनायें, ताकि पैदावार बढ़े। सभी के मिल–जुलकर किये गये श्रम से पहाड़ का बहुत बड़ा हिस्सा कट गया। पहाड़ ने जाकर बीमारियों से कहा कि जाकर काटने वालों से चिपक जाओ। सारी बीमारियाँ काटने वालों से चिपक गयीं, मगर उन लोगों ने हार नहीं मानी। वे सारा दिन पसीना बहाते, आराम नहीं करते, बीमारियों की नहीं चली और पहाड़ कटता गया। कहते हैं कि श्रम की पूजा होती है, वहाँ बीमारी नहीं, टिकती।

–श्रीमती प्रीति माथुर
(सहायक अध्यापिका, डॉल्फिन)

हार के बाद ही जीत है

जीत का न सही, हार का भी जश्न मनाया करो।
ठोकर लगे गर कभी, आँसू की जगह मुस्कुराया करो।।
ख्वाहिश रखो चाँद की हमेशा, मिलें अगर सितारे,
उनको ही पाकर अपना चमन जगमगाया करो।।
गम तो हर किसी के पास है बाँटने के लिए,
तुम खुशियाँ बाँटकर किसी के
सूने मन में, दीपक जलाया करो।।

– कु. इन्दु मिश्रा
(सहायक शिक्षिका, डॉल्फिन)

बेटी

अगर बेटा बारस है, तो बेटी पारस है।
अगर बेटा वंश है, तो बेटी अंश है।
अगर बेटा आन है, तो बेटी शान है।
अगर बेटा तन है, तो बेटी मन है।
अगर बेटा मान है, तो बेटी गुमान है।
अगर बेटा चिराग है, तो बेटी भाग है।
अगर बेटा सरकार है, तो बेटी संस्कार है।
अगर बेटा दवा है, तो बेटी दुआ है।
अगर बेटा भाग्य है, तो बेटी विधाता है।
अगर बेटा शब्द है, तो बेटी अर्थ है।
अगर बेटा गीत है, तो बेटी संगीत है।

–श्रीमती प्रीति शर्मा
(सहा.शिक्षिका)

हौसला भरी उड़ान

इन्तजार किसका है, ऊँचाई छूने में,
हौसलों से भर उड़ान, जोश भर सीने में।
बैठ मत थक कर, बस देख,
गज–भर दूर पर है, तेरा आसमान।
एतवार किस पर है, दुनिया में,
भरोसा देने वाले ही, भरोसा तोड़ देते हैं।
उजाला आते ही लोग, दीपक को छोड़ देते हैं।
खुद पर ध्यान लगा,
मंजिल तेरे सामने ही नजर आयेगी।
बस एक बार पंख फड़फड़ा,
ऊँचाई कदम छू ही जायेगी।

–नीलेश जैन
(सहायक शिक्षक, डॉल्फिन)

गुलामी की घी-रोटी से स्वतन्त्रता की सूखी रोटी अच्छी होती है।

बच्चों की कलम

मजदूर–किसान

गाँव का मजदूर–किसान,
देश की है ये शान।
मेहनत करके फसल उगाता,
दिन–भर खेतों में पसीना बहाता।
मेहनत से अपने पेट को भरता,
छल–कपट से हमेशा दूर रहता।
वर्ष–भर यह मेहनत करता,
अनेक कष्टों को सहन करता।
वह उम्मीद कभी छोड़ता नहीं,
संकटों में यह घबराता नहीं।
खुश होता वह अनाज पाकर,
बेचता उसे शहर जाकर।
किसान ही सबको खाना खिलाता,
अपने अनाज से सबकी भूख मिटाता।

–**देवेन्द्र रघुवंशी,** कक्षा–11(गणित)

आजादी न खोने देगें

स्वतन्त्रता के लिए फाँसी की,
बेदी पर चढ़े वीर अनेक।
दम न लिया उन्होंने,
और प्रण किया बस एक।
आजाद होकर ही रहे,
बलिदान भी होना पड़ा।
आजादी का था जुनून,
गोरों को भागना पड़ा।
15 अगस्त का सूरज लाया,
आजादी की नयी किरण।
जिससे पाने एक झलक था,
वीरों का मरण–वरण।
स्वतन्त्रता के पर्व पर आओ,
प्रण हम करें सभी।
अपनी आजादी को हम,
खोने देंगे कभी नहीं।

–**राजीव चौधरी,** कक्षा– 6

स्वर्ग की सीढ़ी

- मारना चाहते हो, तो बुरी इच्छाओं को मारो!
- जीतना चाहते हो, तो क्रोध और तृष्णाओं को जीतो!
- खाना चाहते हो, तो गुस्से को खाओ!
- पीना चाहते हो, तो ईश्वर–भक्ति का शर्बत पीओ!
- पहनना चाहते हो, तो नेकी का जामा पहनो!
- जाना चाहते हो, तो सत्संगों एवं स्वास्थ्यप्रद स्थानों पर जाओ!
- छोड़ना चाहते हो, तो पाप, घमण्ड और अत्याचार को छोड़ो!
- बोलना चाहते हो, तो सत्य और मीठे वचन बोलो!
- बनाना चाहते हो, तो धर्मशाला, पाठशाला, कुएँ और तालाब बनवाओ!
- तौलना चाहते हो, तो बात को तौलो और ठीक तौलो!
- देखना चाहते हो, तो अपनी बुराई को देखो!
- सुनना चाहते हो, तो ईश्वर की प्रशंसा और दुःखियों की पुकार को सुनो!

–**गौतम शाक्य,** कक्षा–4

जीयो, तो ऐसे जीयो

1. क्षमा–नम्रता–प्रेम–धन, सब धर्मों में प्रीत।
   अच्छाई में अमृत है, सच्चाई में जीत।।
2. अरुणोदय से पूर्व उठ, लो ईश्वर का नाम।
   स्वस्थ रहो सुख–शान्ति दो, आओ सबके काम।।
3. गुरु की, माता–पिता की, कभी न काटो बात।
   अनुशासन–पालन करो, करो न तुम उत्पात।।
4. कर्म करें कर्त्तव्य से, खूब बढ़ेगा मान।
   औरों को सम्मान दो, पाओगे सम्मान।।
5. हर पल यहाँ अमूल्य है, समय न ,खोना व्यर्थ।
   हर क्षण उपयोगी रहे, हर क्षण का है अर्थ।।
6. ईश्वर एक अनेक हैं, उस ईश्वर के नाम।
   कण–कण में वह व्याप्त है, हर घर उनका धाम।।
7. अच्छे ग्रन्थों को पढ़ो, जिनसे उठे चरित्र।
   नाम तुम्हारा अमर हो, जीवन रहे पवित्र।।

–**अभिषेक यादव,**
कक्षा–11 (वाणिज्य)

यह कैसी आजादी?

यह स्वतन्त्रता कैसी है?
यह कैसी है आजादी?
महँगाई छूती आसमान और,
हर पल बढ़ती आबादी,
सरकार देश की ये कैसी?
और कैसे हैं ये नेता?
लूट–लूट कर देश को खाते,
फिर भी पेट न भरता।
खींचातानी भाषाओं की,
क्षेत्रवाद का जहर है फैला।
आरक्षण का लगता है,
नित–रोज यहाँ पर मेला।
अपनों ने अपनों को लूटा,
गैरों से क्या करें शिकायत।
स्वार्थ में भूखे–अन्धे नेताओं पर,
अब है लानत।
माँ के रक्षक बने हैं भक्षक,
कहाँ गुहार लगायें?
गुलाम हुई अब आजादी भी,
कैसे इसे छुड़ायें?
आह गरीबों की सुनने को,
यहाँ न कोई अपना।
आजाद देश की आजादी,
अब बन कर रह गयी सपना।

–राहुल जैन, कक्षा–12 (गणित)

वैज्ञानिक ऋषियों के नाम एवं उनकी अनुपम देन

ऋषि कणाद	–	अणु–सिद्धान्त,
ऋषि सुश्रुत	–	प्लास्टिक सर्जरी,
ऋषि चरक	–	आयुर्वेद के प्रणेता,
ऋषि वराहमिहिर	–	खगोलशास्त्र,
ऋषि ब्रह्मगुप्त	–	गुरुत्वाकर्षण का सिद्धान्त,
ऋषि भारद्वाज	–	विमान–शास्त्र (विमान बनाने की विधि),
ऋषि आर्यभट्ट	–	गणित में शून्य का प्रयोग, चन्द्र व सूर्य ग्रहण,
ऋषि नागार्जुन	–	लौहशास्त्र, रस रत्नाकर रसायन शास्त्र, (पारे से सोना बनाना)।

–आकाश राठौर, कक्षा–9

तीन वस्तुएँ

तीन वस्तुएँ मनुष्य को अच्छा बनाती हैं–
संयम, त्याग, कर्म।
तीन वस्तुएँ किसी का इन्तजार नहीं करतीं–
मौत, समय, रोग।
तीन वस्तुएँ जीवन को बेकार कर देती हैं–
क्रोध, लोभ, दुराचार।
तीन वस्तुओं पर मत हँसो–
आँसू, गरीबी, विधवा।
तीन वस्तुओं से मनुष्य को भय रहता है–
आग, पानी, कलंक।
तीन वस्तुएँ जीवन में एक बार मिलती हैं–
माँ की ममता, सुन्दरता, जवानी।
तीन वस्तुएँ कभी वापस नहीं लौटती हैं–
बन्दूक से निकली गोली, जबान से निकले शब्द,
और शरीर से निकले प्राण।

–चेतनसिंह राजपूत, कक्षा–11

मेरी माँ

रिश्ते की शुरुआत जहाँ होती है,
सबसे आगे केवल माँ होती है।
अंक–गणित हो जहाँ विफल,
दुनिया का शून्य रूप माँ कहलाती है।
माँ जीवन जीना सिखलाती है,
माँ रसना को अमृत देती है।
माँ मेरी पीड़ा हर लेती है,
माँ की मीठी बातें भाती हैं।
माँ से खाना–पीना सीखा है,
माँ के बिन हर स्वाद फीका है।
माँ के कारण ही जलती है,
हम सबकी जीवन–ज्योति,
माँ देती अनुशासन–शिक्षा,
माँ देती जीवन की शिक्षा।
माँ का नहीं दुनिया में सानी,
माँ की होती है अजब कहानी।
माँ में सारे धर्म समाते,
माँ के रूप सभी को भाते।
माँ गुरुग्रन्थ, कुरान और गीता, इनसे भी पावन होती है।
माँ जैसा ईश्वर नहीं होता।

—**कु. निशा गुप्ता,** कक्षा–8

मेरा स्कूल

मेरा स्कूल नवांकुर विद्यापीठ,
सबसे न्यारा सबसे प्यारा।
हम बच्चे स्कूल के प्यारे,
शिक्षक यहाँ के सबसे निराले।
हम बच्चों को मिलता ज्ञान,
इसमें शिक्षा और स्वाभिमान।
यह स्कूल बनाता है,
हमको एक अच्छा इंसान।
हम करते इस पर अभिमान।

—**संदीप विश्वकर्मा,** कक्षा–6

ज्ञान

ज्ञान के मंच पर सब एक समान हैं,
विधि का विधान पलट दें,
वह ब्रह्म ज्ञान है,
तो आज से ये ठान लें,
ये बात गाँठ बाँध लें,
कि कर्म के कुरुक्षेत्र में,
न रूप काम आता है,
न झूठ काम आता है?
न जाति काम आती है,
न बाप का नाम काम आता है,
सिर्फ ज्ञान है, आपको आपका हक दिलाता है।

—**दीपक दाँगी,** कक्षा–10

टमाटर

आहा! टमाटर बड़ा मजेदार!
एक दिन इसको चूहे ने खाया,
बिल्ली को भी मार भगाया।
आहा! टमाटर बड़ा मजेदार!
एक दिन इसको चीटी ने खाया,
हाथी को भी मार भगाया।
आहा! टमाटर बड़ा मजेदार!
एक दिन इसको पतलू ने खाया,
मोटू को भी मार भगाया।

—**कु. पूनम राजपूत,** कक्षा–6

विद्या बाँटने से बढ़ती है, घटती नहीं

पहाड़ से एक नदी बह उठी, शिलाएँ बोलीं आगे मत जा। कच्ची धरती में सूखकर तेरा अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। नदी प्यासों को जल पहुँचाती शान्त भाव से बढ़ती रही, वह सूखी नहीं, एक–एक करके धाराएँ मिलती गयी और वह विशाल होती गयी। वह वितरण से बढ़ी–घटी नहीं।

उसी प्रकार विद्या के वितरण से विद्या बढ़ती है, घटती नहीं है।

—**कौशल कटारिया,** कक्षा–11

बीते कल से सीखो, वर्तमान में जियो, और भविष्य के प्रति आशावान रहो।

सप्ताह

सात दिनों का होता सप्ताह,
हर दिन नया–नया उत्साह।
सोमवार दिन गीतों वाला,
मंगलवार संगीतों वाला।
बुधवार को गुड़ियों का मेला,
शुक्रवार को चित्र बनाओ,
शनिवार को मित्र बनाओ।
रविवार को आनन्द मनाओ।
सभी काम झटपट निपटाओ,
सही समय पर काम करो सब,
होशियार बन नाम करो सब।

–**पूनम राजपूत,** कक्षा–6

नीति की बातें

1. व्यक्ति अकेला पाप करता है और बहुत–से लोग उसमें मौज उड़ाते हैं। मौज उड़ाने वाले तो छूट जाते हैं, लेकिन उसे करने वाला ही पाप का भागी होता है।
2. अकेले स्वादिष्ट भोजन न करें। अकेले किसी विषय का निश्चय न करें। अकेले रास्ते में न चलें और बहुत–से लोग सोये हों, तो उनमें अकेले न जागते रहें।
3. जो शत्रु को मित्र बनाता है और मित्र से द्वेष करता है। जो न चाहने वालों को चाहता है और चाहने वालों को छोड़ देता है, वह मूर्ख होता है।
4. निर्धन होकर बहुमूल्य वस्तु को पाने की इच्छा करना और असमर्थ होकर क्रोध करना, ये दोनों बातें अपने शरीर को कष्ट देने वाले काँटों की तरह होती हैं।
5. दो तरह के मनुष्य सूर्यमण्डल को भेदकर ऊपर जा सकते हैं। पहला योगयुक्त संन्यासी और दूसरा युद्ध में लोहा लेते शहीद हुआ योद्धा।
6. थोड़ी–बुद्धि वाले, जल्दबाज और स्तुति करने वाले लोगों के साथ गुप्त सलाह नहीं करनी चाहिये। ये चारों महाबली राजा के लिए त्यागने योग्य माने गये हैं।
7. देवताओं का संकल्प, बुद्धिमानों का प्रभाव, विद्वानों की नम्रता और पापियों का विनाश, ये चार प्रकार के ऐसे कर्म हैं, जो तत्काल फल देने वाले हैं।
8. कठोर न बोलने वाला और दुष्ट पुरुषों का आदर न करने वाला व्यक्ति इस लोक में विशेष शोभा पाता है।

–**राहुल रायकवार,** कक्षा–12 (गणित)

माँ की महिमा

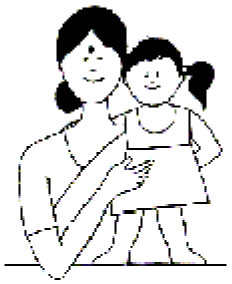

माँ ने हमें जन्म दिया है,
सबसे ज्यादा प्यार किया है।
माँ का तुम सम्मान करो,
सदा उसी के पास रहो।
माँ होती है सबसे प्यारी,
इस दुनिया में सबसे न्यारी।
माँ का है सबसे ऊँचा स्थान,
हर समस्या का यह करती निदान।
माँ की ममता है, सबसे बड़ी,
बचपन से लेकर अब तक यही मैं पढ़ी।
माँ बाँटती है सबको ज्ञान,
सदा बने रहो गुणवान।
माँ का हम पर उपकार महान,
माँ के लिए हम देंगें जान।

–**कु. देवांशी रघुवंशी**
कक्षा–8

TEACHER

T - Talent,
E - Energetic,
A - Able,
C - Cheerful,
H - Honest,
E - Educated,
R - Responsible.

संकलित **–कु. प्रियंका नरवरिया, कक्षा–12(गणित)**

अपना ज्ञान बढ़ायें

जीव–विज्ञान

प्र.1 संसार का सबसे बड़ा जीव कौन–सा है?
उ. नीली व्हेल (25 टन से भारी)
प्र.2 विश्व का सबसे महँगा पशु कौन–सा होता है?
उ. रेस का घोड़ा।
प्र.3 सबसे बुद्धिमान् कौन माना जाता है?
उ. चिम्पैंजी (बन्दर)।
प्र.4 सबसे छोटा पक्षी कौन होता है?
उ. हमिंगबर्ड (वजन डेढ़ ग्राम)।
प्र.5 सबसे खतरनाक पक्षी कौन होता है?
उ. कैसोबरी बर्ड (आस्ट्रेलिया)।
प्र.6 किस चिड़िया की आवाज सबसे मधुर होती है?
उ. बुलबुल।

–**रवि मीना,** कक्षा–7 (डॉल्फिन)

भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

1. राष्ट्रीय झण्डा	–	तिरंगा,
2. राष्ट्र–गीत	–	वन्देमातरम्,
3. राष्ट्र–गान	–	जन–गण–मन,
4. राष्ट्रीय पशु	–	बाघ,
5. राष्ट्रीय पक्षी	–	मोर,
6. राष्ट्रीय फूल	–	कमल,
7. राष्ट्रीय फल	–	आम,
8. राष्ट्रीय खेल	–	हॉकी,
9. राष्ट्र–भाषा	–	हिन्दी,
10. राष्ट्रीय मुद्रा	–	रुपया,
11. राष्ट्रीय पंचांग	–	शक–संवत्,
12. राष्ट्रीय पुरस्कार	–	भारत–रत्न,
13. राष्ट्रीय राजधानी	–	दिल्ली,
14. राष्ट्रीय वाक्य	–	सत्यमेव जयते,

–कु. आकृति दाँगी, कक्षा–8

स्वास्थ्य–ज्ञान

1. मनुष्य के अंगों में आँख हानिकारक विकिरण से सबसे ज्यादा प्रभावित होती है।
2. मानव–गुर्दे रक्त में शर्करा की मात्रा का नियन्त्रण करते हैं।
3. एड्स का संवाहक विषाणु करते हैं।
4. क्षयरोग जीवाणुओं से फैलता है।
5. थॉम्ब्रिन का सम्बन्ध रक्त–जमाव से है।
6. शरीर की किडनी की खराबी से पीड़ित व्यक्ति को डायलेसिस पर रखा जाता है।
7. शिशुरोग–सम्बन्धित रोग को पीडियाट्रिक्स कहा जाता है।
8. शरीर की वृद्धि और नयी कोशिकाओं के निर्माण के लिए प्रोटीन्स जरूरी हैं।
9. एमनियोसेण्टोसिस एक तरीका है, जो भ्रूण का लिंग बताता है।
10. घेंघा रोग को कम करने के लिए आयोडीन–युक्त नमक खाने की सलाह दी जाती है।
11. विटामिन 'A' का निर्माण हमारे शरीर में नहीं होता है।

–कौशल कटारिया, कक्षा–11

क्या आप जानते हैं?

1. हमारी प्रत्येक आँख में एक लैंस होता है, जबकि मक्खी की प्रत्येक आँख में लगभग 3 हजार और ड्रेगनफ्लाई की प्रत्येक आँख में 30 हजार लैंस होते हैं।
2. ऑक्टोपस की आँख की पुतली गोलाकार की जगह रेक्टेंगुलर यानि आयताकार होती है।
3. मेंढक मुँह से पानी नहीं पीता है, बल्कि त्वचा के माध्यम से पानी एब्जॉर्ब करता है।

इन्तजार करने वालों को चीजें मिलती है, लेकिन वही मिलती हैं, जो संघर्ष करने वाले छोड़ देते हैं।

4. कुत्ता 10 तरह के वोकल साउण्ड यानि ध्वनि उत्पन्न कर सकता है, जबकि बिल्ली 100 से ज्यादा तरह की आवाज निकाल सकती है।
5. छछून्दर विलुप्त होने की कगार पर है, इसलिए बगीचों के मालिक उन्हें मारते नहीं, सिर्फ भगा देते हैं।

–कु. आकृति दुबे, कक्षा–10

अप–टू–डेट जनरल नॉलेज

1. भारत सरकार ने भारत के राष्ट्रीय चिह्न को कब अपनाया?
   उत्तर–26 जनवरी 1950,
2. विश्व के किस देश ने सर्वप्रथम कागजी मुद्रा जारी की?
   उत्तर–चीन,
3. सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश कौन हैं ?
   उत्तर – एम.फातिमा बीबी,
4. जापान की संसद को क्या कहा जाता है?
   उत्तर–डायट,
5. 'सामा चकेवा' कहाँ का लोकनृत्य है?
   उत्तर– बिहार,
6. दूरदर्शन द्वारा रंगीन टेलीविजन की शुरूआत किस वर्ष से की गयी?
   उत्तर–1982 से,
7. पर्वतों की रानी' किसे कहा जाता है?
   उत्तर– मसूरी,
8. विश्व की सबसे ऊँची झील है–
   उत्तर–टिटिकाका(बोलिविया),
9. विश्व का सर्वाधिक ऊँचा सक्रिय ज्वालामुखी है–
   उत्तर–कोटोपैक्सी(दक्षिणी अमेरिका),
10. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन–सा है?
   उत्तर –सहारा।

–संस्कार जैन, कक्षा–10

ABBREVIATION

दोस्तो आज की दौड़–भाग–भरी जिन्दगी में आपकी भाषा ने भी आपको इतनी सहूलियत दी है कि आप संक्षिप्त शब्दों में किसी पूरे शब्द को कह सकते हैं।

अंग्रेजी में इन्हें Abbreviation कहा जाता है, तो आइये, आपको आज इन्हीं कुछ संक्षिप्त शब्दों के बारे में जानकारी देते हैं :–

CMO	-	चीफ मेडिकल ऑफिसर,
CRP	-	सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस,
CVC	-	चीफ विजिलेंस कमिश्नर,
LPG	-	लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस,
EST	-	एम्प्लाइज स्टेट इश्योरेंस,
ECG	-	इलेक्ट्रो–कार्डियोग्राम,
FBI	-	फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन,
FM	-	फील्ड मार्शल,
GPO	-	जनरल पोस्ट ऑफिस,
HEL	-	हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड,
HMT	-	हिन्दुस्तान मशीन टूल्स,
HUDCO	-	हिन्दुस्तान एण्ड अर्बन डेवलपमेण्ट कॉर्पोरेशन,
IAF	-	इण्डिन एयर फोर्स,
MD	-	डॉक्टर ऑफ मेडीसिन,
KG	-	किण्डर गार्टेन,
IPC	-	इण्डियन पीनल कोड,
MP	-	मेम्बर ऑफ पार्लियामेण्ट,
IAS	-	इण्डियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस,
IDBI	-	इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट बैंक ऑफ इण्डिया।

–मयंक नामदेव, कक्षा–8

राज्य, राजधानियाँ एवं उनकी भाषाएँ

राज्य	राजधानी	मुख्य भाषाएँ
बिहार	पटना	हिन्दी,
असम	दिसपुर	असमिया और बंगाली,
अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	मोनपा, आका, मिजो,
आन्ध्रप्रदेश	हैदराबाद	तेलगु तथा उर्दू,
गुजरात	गाँधीनगर	गुजराती,
हरियाणा	चण्ड़ीगढ	हिन्दी, पंजाबी,
हिमाचल प्रदेश	शिमला	हिन्दी, पहाड़ी,
कर्नाटक	बैंगलोर	कन्नड़,
केरल	तिरुअनन्तपुरम्	मलयालम,
मध्यप्रदेश	भोपाल	हिन्दी,
महाराष्ट्र	मुम्बई	मराठी,
उड़ीसा	भुवनेश्वर	उड़िया,
झारखण्ड	राँची	हिन्दी,
उत्तराखण्ड	देहरादून	हिन्दी, पहाड़ी,
मणिपुर	इम्फाल	मणिपुरी,
पश्चिम बंगाल	कोलकाता	बंग्ला,
उत्तरप्रदेश	लखनऊ	हिन्दी,
तमिलनाडु	चेन्नै	तमिल,
राजस्थान	जयपुर	हिन्दी।

—**मोहित रघुवंशी,** कक्षा–8

देशों की राजधानियाँ

भारत	–	दिल्ली,
श्रीलंका	–	कोलम्बो,
पाकिस्तान	–	इस्लामाबाद,
इंग्लैण्ड	–	लन्दन,
फ्रांस	–	पेरिस,
बांग्लादेश	–	ढाका,
जापान	–	टोकियो,
चीन	–	बीजिंग।

—विनीत जैन, कक्षा–8

क्या आप जानते हैं?

1. घोंघे अपने पैरों से साँस लेते हैं।
2. व्हेल की जीभ का वजन चार टन होता है।
3. हमारे शरीर में इतना लोहा तो होता ही है कि एक छोटी कील बनायी जा सके।
4. बीस में से एक मनुष्य के शरीर में अतिरिक्त पसली होती है।
5. जम्हाई शब्द को पढ़ते ही अधिकांश लोगों का जम्हाई आ जाती है।
6. शेर दिन में बीस घण्टे सोता है।
7. शरीर की एक चौथाई हड्डियाँ पैरों में होती हैं।
9. गुफाओं से बाहर निकलते वक्त चमगादड हमेशा बाँयीं तरफ मुड़ता है।
10. औसतन एक व्यक्ति को साल भर में 1460 सपने आते हैं।

—कु. अदिति शर्मा, कक्षा–9

---

1. विश्व में कौन–सा देश है, जहाँ सफेद हाथी पाये जाते हैं?
   उत्तर–थाईलैण्ड,
2. वह कौन–सा जीव है, जो अपनी जिन्दगी में केवल एक ही बार बच्चे पैदा करता है और उसके तुरन्त बाद मर जाता है?
   उत्तर– बिच्छू ,
3. ऐसा कौन–सा जन्तु है, जो जिन्दगी भर बिना पानी पिये जीता है?
   उत्तर – अमेरिका का कंगारू रेट,
4. कौन–सी मछली पानी से बाहर कई दिन तक जीवित रह सकती है?
   उत्तर–एशिया की मेंढक मछली,
5. विश्व में सबसे बातूनी पक्षी कौन है?
   उत्तर–प्रडूल नाम का भूरे रंग का नर तोता (अफ्रीका),

जो बच्चों को सिखाते हैं, उन पर बड़े खुद अमल करें, तो यह संसार स्वर्ग बन जाये। -श्रीराम शर्मा आचार्य

6. दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर कौन–सा है?
   उत्तर– चीता (60 किमी./घण्टा की रफ्तार से दौड़ता है।)
7. विश्व का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी कौन है?
   उत्तर–डक हॉक (180 मील/घण्टा की रफ्तार।),
8. विश्व में काले रंग के हंस किस देश में पाये जाते हैं?
   उत्तर– ऑस्ट्रेलिया,
9. विश्व का सबसे छोटा पक्षी है?
   उत्तर–हमिंग बर्ड,
10. कौन–सा जानवर है, जो घायल होने पर आदमी की तरह रोता है?
    उत्तर –भालू,
11. सबसे अधिक दिनों तक जीने वाला प्राणी कौन–सा है?
    उत्तर–कछुआ (300 वर्ष तक)।

–अंकुर सेन, कक्षा–10

भारत में प्रथम

1. प्रथम राष्ट्रपति – स्व. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद,
2. प्रथम प्रधानमन्त्री –स्व. पण्डित जवाहरलाल नेहरू,
3. प्रथम महिला प्रधानमन्त्री–स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी,
4. प्रथम महिला कांग्रेस–अध्यक्ष–स्व.श्रीमती सरोजिनी नायडू,
5. प्रथम नोबेल पुरस्कार–विजेता– स्व.रवीन्द्रनाथ टैगोर,
6. प्रथम अन्तरिक्ष–यात्री– श्री राकेश शर्मा,
7. प्रथम(भारतीय)गवर्नर जनरल– स्व. चक्रवर्ती राजगोपालाचारी,
8. प्रथम कमाण्डर इन चीफ– स्व. जनरल करिअप्पा,
9. प्रथम महिला राष्ट्रपति–श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल,
10. प्रथम महिला लोकसभा–अध्यक्ष–श्रीमती मीराकुमार

–अमित रघुवंशी, कक्षा–8

बूझो तो जानें

1. तीन अक्षर का मेरा नाम।
   उल्टा–सीधा एक समान।
2. लाल घोड़ा अड़ा रहे,
   काला घोड़ा भगता जाये।
3. मन्दिर में इसे शीश नवायें,
   मगर राह में ठुकरायें।
4. मैं हूँ एक अनोखी रानी,
   पैरों से पीती हूँ पानी।
5. डिब्बे पे डिब्बा, डिब्बे का गाँव,
   चलती फिरती बस्ती, लोहे के पाँव।
6. एक खेत में ऐसा हुआ,
   आधा बगुला, आधा सुआ।
7. बिना कान के, सुनने वाला,
   नीचे गोरा, ऊपर काला।
8. मेरे नाम से सब डरते हैं,
   मेरे लिए परिश्रम करते हैं।
9. एक गुफा के दो रखवाले,
   दोनों लम्बे दोनों काले।

–शुभम रघुवंशी, कक्षा–6

1. एक बेल पड़ी तालाब में, फूल खिलता जाये।
   एक अचम्भा हमने देखा, फूल बेल को खाये।।
2. बतलाओ ऐसी दो बहनें, उजले–काले कपड़े पहनें।
   हँसती हैं, रोती हैं, खाती हैं, लेकिन कभी न मिल पाती हैं।
3. हम दोनों हैं भाई–बहनें, एक श्याम एक श्वेत।
   शाला में रहते हैं हम, बालक जिससे शिक्षा लेता।।
4. महामूर्ख से बना महाकवि और सुपण्डित ज्ञानी।
   कहो कौन वह लग्नशील, कहीं न जिसका सानी।।
5. सिर उस का लगता है मटका, मटके को घर लाकर पटका।
   कुछ को खाया, कुछ को फेंका, मटके का पानी भी गटका।
6. बारह घोड़े, 30 गाड़ी 365 करें सवारी।

–आदित्य दाँगी, कक्षा–6

पहेली-हाथी जी के रुपये

हाथी जी से हो गयी चूक,
खुली छोड़कर गये सन्दूक।
बीस रुपये ले गयी बिल्ली,
रेल में बैठ, पहुँची दिल्ली।
सोलह रुपये ले गया भालू,
खरीद लिए दो किलो आलू।
पन्द्रह रुपये ले गया बन्दर,
खरीदे दो सौ ग्राम चुकन्दर।
चुपके–चुपके आया सियार,
वह भी ले गया रुपये चार।
होटल देखा मन ललचाया,
उसने तुरन्त समोसा खाया।
सन्दूक में रुपये थे सत्तर,
कितने बचे बताओ उत्तर।
उत्तर–15 रुपये

–सर्वांग शर्मा, कक्षा–2(डॉल्फिन)

INDEPENDENCE DAY OF VARIOUS COUNTRIES

1- Afganistan	-	19th August,
2-Australia	-	26th January,
3-Bangladesh	-	16th December,
4- China	-	1st October,
5- Colombia	-	20th July,
6- Finland	-	6th December,
7- France	-	14th December,
8- Greece	-	25th March,
9- India	-	15th August,
10-Indonesia	-	17th August,
11-Italy	-	26th April,
12- Japan	-	29th April,
13- Korea	-	15th August,
14- Mexico	-	16th September,
15- Norway	-	17th May,
16-Pakistan	-	14th August,
17- Srilanka	-	4th February,
18- Spain	-	10th April,
19-Thailand	-	24th June,
20- U.S.A.	-	4th July.

-Piyush Mathur
Std- 7th (Dolphin)

What is BLOOD CLOTTING?

When you cut yourself the blood clots to prevent the wound from bleeding. Clotting is caused by substance in the blood. Together with small particles called Platelets. These substances produce masses to fine mesh when they are exposed to air. They block the wound and prevent more blood loss. New cells grow rapidly into the wound,replacing the damaged tissues. Soon the clotted material scab, falls off and cleans, new skin is revealed underneath.

- Ajay Sharma
Class- 7th (Dolphin)

Books

We cover our books,
and keep them neat,
and read them most,
The knowledge at most.
The treasure of knowledge,
The ocean of Wisdom,
The horizon of History,
And the store of Mystery.

-Aashi Rai
Class- 2nd (Dolphin)

Money

Money can give you servent, but not friend.
Money can give you wealth, but not health.
Money can give yo fame, but not success.
Money can give you food ,but not oppetite.
Money can give you glory, but not respect.
Money can give you medicine, but not life.

-Ajit Jain
Class- 9th (Dolphin)

अगर किसी को अपना मित्र बनाना चाहते हो, तो उसके दोषों, गुणों और विचारों को अच्छी तरह परख लेना चाहिए।

Principal of Education

Students who are very fond of reading books are aften labelled by their complanions as book worms. This criticism generally comes from students who consider themeselves better in sports.

But studies not be neglected and should be given due importance along with other activities connected with education. Let each type of activity have its own place in our daily rountine. In this way we have students both academically sound and physically fit. Thus, we want our educational system to generate this synergy among our youth.

-Kajal Namdev Class- 6th

-Vandana Raghuwanshi
Class- 6th D

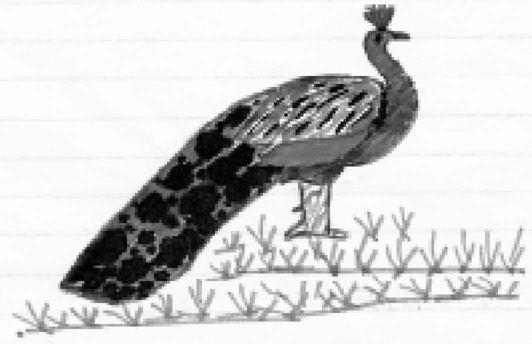

A क V चित्र कहानी

B कानेर में Aक सेठ रहता था। उसका नाम करो Dमल था। उसकी पत्नी का नाम Cता देV था। उसk बेटे का नाम Pताम्बर था। वह Aकदम निखट्टू था। सेठ की बेT का नाम Rती था। जो पढ़ाE में बहुत होशियार थी। Pताम्बर अपने Pताजी की कद्र नहीं करता था, लेकिन Rती सबकी इज्जत करती थी। सेठ का LUमीनियम का कारखाना था। चपराC दयाराम दोस्तों k साथ आवारागर्दी करता था। इस कारण सेठ k कारखाने में बहुत बD चोरी हो गयी। इस दुःख के कारण सेठ Or सेठानी मर गA ।

–नवीन दुबे,कक्षा–11(गणित)

मजेदार चुटकुले

1. सन्ता– बन्ता आपस में चर्चा कर रहे थे।
   सन्ता– जब मैं कॉफी पी लेता हूँ, तो सो नहीं पाता।
   बन्ता– मेरे साथ इसका उल्टा होता है। जब मैं सो जाता हूँ , तो कॉफी नहीं पी पाता हूँ।
2. एक पागल दूसरे पागल से कहता है कि मैं ताजमहल खरीदने वाला हूँ, तो दूसरा पागल कहता है कि मैं बेचूँगा ही नहीं।
3. हवालदार–सर! कैदियों ने कल जेल में रामलीला की।
   जेलर–(मुस्कुराते हुए) लेकिन तुम इतना परेशान क्यों हो?
   हवालदार–सर! जो कैदी कल हनुमान बना था, वह कल संजीवनी बूटी लेने गया था, वह अभी तक वापस नहीं आया।
4. मैनेजर– फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दूँगा। 6 महीने बाद बारह सौ रुपये कर दूँगा।
   उम्मीदवार– तो ठीक है, मैं 6 महीने बाद आ जाऊँगा।
6. पुलिसवाला चोर को पकड़ता है, पर वह हथकड़ी लाना भूल गया। चोर कहता है कि तुम रुको, मैं हथकड़ी लाता हूँ। पुलिसवाला कहता है, बेवकूफ समझा है। तुम रुको, मैं लाता हूँ।
7 रचना–चाट खाते समय तुम पत्ता क्यों चाटने लगती हो? रेखा–मैं पत्ता इसलिए चाटती हूँ, क्योंकि इसका नाम ही चाट है।
8. मरीज–डॉक्टर साहब, मुझे अजीब–सी बीमारी है, न खाऊँ, तो भूख लगती है। न सोऊँ, तो नींद आती है। ज्यादा काम करूँ, तो थक जाता हूँ। मैं क्या करूँ?
   डॉक्टर– तुम बस एक आसान–सा कठिन काम करो, सारीरात धूप में बैठो, बीमारी तुरन्त ठीक हो जायेगी।

–अभय चौरसिया

परीक्षा-परिणाम

कक्षावार मेरिट-सूची वर्ष -2013

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
शिशु'क'	कु. पायल साहू	श्री हुकमसिंह साहू	श्रीमती रामवती	197/200	98.5%	प्रथम
शिशु'क'	कु. समीक्षा कुशवाह	श्री नवलसिंह	श्रीमती शशि	195/200	97.5%	द्वितीय
शिशु'क'	कु.रौनक चौरसिया	श्री राजेश चौरसिया	श्रीमती रमा	194/200	97%	तृतीय
शिशु'ख'	कु. खुशबू बैना	श्री मुन्ने खाँ	श्रीमती जरीना	198/200	99%	प्रथम
शिशु'ख'	कु. सलोनी कुशवाह	श्री बाबूलाल कुशवाह	श्रीमती कुसुम	197/200	98.5%	द्वितीय
शिशु'ख'	विष्णु प्रसाद लोधी	श्री आशाराम लोधी	श्रीमती रामकली	197/200	98.5%	द्वितीय
शिशु'ख'	कृष राठौर	श्री विनय राठौर	श्रीमती विनीता	197/200	98.5%	द्वितीय
शिशु'ख'	कु. राशि लोधी	श्री सतीश लोधी	श्रीमती रमा बाई	197/200	98.5%	द्वितीय
शिशु'ख'	हर्ष शर्मा	श्री राकेश शर्मा	श्रीमती सरोजबाई	194/200	97%	तृतीय
शिशु'ख'	योगेश आर्य	श्री राजीव आर्य	श्रीमती राजकुमारी	194/200	97%	तृतीय
शिशु'ख'	कु. श्रृद्धा दाँगी	श्री बलवीरसिंह दाँगी	श्रीमती मधु बाई	194/200	97%	तृतीय
शिशु'ख'	कु. नैनसी कुशवाह	श्री तुलाराम कुशवाह	श्रीमती मीरा बाई	194/200	97%	तृतीय
शिशु'ख'	कु. राशि बघेल	श्री दीपकुमार बघेल	श्रीमती बाला बाई	194/200	97%	तृतीय
कक्षा–1	रूपेश बघेल	श्री ओमवीर	श्रीमती राजकुमारी	841/930	90.43%	प्रथम
कक्षा–1	सौरभ शर्मा	श्री राजेश शर्मा	श्रीमती रेखाबाई	828/930	89.03%	द्वितीय
कक्षा–1	कु. सुहानी रघुवंशी	श्री रामकृष्ण	श्रीमती भूरीबाई	824/930	88.60%	तृतीय
कक्षा–2	कु. खुशी साहू	श्री शोभाराम	श्रीमती विनिता	911/930	97.95%	प्रथम
कक्षा–2	सुदीप दाँगी	श्री बलराम दाँगी	श्रीमती शर्मिला	908/930	97.63%	द्वितीय
कक्षा–2	कु. स्वाति राजपूत	श्री बृजभान	श्रीमती शिवकुमारी	894/930	96.12%	तृतीय
कक्षा–3	कु. वैष्णवी राजपूत	श्री नारायणसिंह	श्रीमती पिंकीदेवी	1122/1150	97.56%	प्रथम
कक्षा–3	कु. अनुमति जेतली	श्री सन्दीप जेतली	श्रीमती सरोज	1120/1150	97.39%	द्वितीय
कक्षा–3	कु. विपाशा दाँगी	श्री राघवेन्द्रसिंह	श्रीमती रमा	1117/1150	97%	तृतीय
कक्षा–4	कु.रौनक दाँगी	श्री रामावतारसिंह	श्रीमती अंजना	1112/1150	96.69%	प्रथम
कक्षा–4	सुरेन्द्रसिंह दाँगी	श्री सुन्दरसिंह	श्रीमती अनीता	1111/1150	96.60%	द्वितीय
कक्षा–4	कु.प्रियंका रघुवंशी	श्री पूरनसिंह	श्रीमती शिवकुमारी	1088/1150	94.60%	तृतीय

कोई भी राष्ट्र अपनी भाषा को छोड़कर, राष्ट्र नहीं कहला सकता। - थॉमस डेविस

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	माता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा–5	कु. कीर्ति रघुवंशी	श्री वीरसिंह	श्रीमती सविताबाई	1116/1150	97.04%	प्रथम
कक्षा–5	कु. शिवानी दाँगी	श्री गब्बरसिंह	श्रीमती रूपवती	1111/1150	96.60%	द्वितीय
कक्षा–5	कु. प्रार्थना लोधी	श्री हरिनारायण	श्रीमती शीलाबाई	1095/1150	95.21%	तृतीय
कक्षा–6	कु. आस्था दुबे	श्री देवेन्द्र दुबे	श्रीमती शोभा दुबे	1674/1710	97.89%	प्रथम
कक्षा–6	कु. अपूर्वा रघुवंशी	श्री अजीतसिंह	श्रीमती प्रीति	1670/1710	97.66%	द्वितीय
कक्षा–6	शेख रूफी	श्री शेख साबिर	श्रीमती शहाना परबीन	1640/1710	95.9%	तृतीय
कक्षा–7	कु. शेख रमीम	श्री शेख साबिर	श्रीमती शहाना परबीन	1693/1710	99%	प्रथम
कक्षा–7	कु. सोनम रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	श्रीमती नन्नीबाई	1680/1710	98.24%	द्वितीय
कक्षा–7	कु. दीक्षा रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	श्रीमती हेमलता	1659/1710	97.01%	तृतीय
कक्षा–8	कु. मनीषा शर्मा	श्री बालाराम शर्मा	श्रीमती अनीता	1688/1710	98.71%	प्रथम
कक्षा–8	कु. साक्षी राय	श्री संतोष कुमार राय	श्रीमती सीमा राय	1685/1710	98.53%	द्वितीय
कक्षा–8	कु. आकांक्षा वैरागी	श्री विशाल वैरागी	श्रीमती सोना वैरागी	1684/1710	98.47%	तृतीय
कक्षा–9	कु. रानी रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	श्रीमती गनपतिबाई	584.3/600	97.38%	प्रथम
कक्षा–9	शिवम रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	श्रीमती गनपतिबाई	583.2/600	97.2%	द्वितीय
कक्षा–9	कु. शालिनी रघुवंशी	श्री ज्ञानसिंह	श्रीमती किरणबाई	572.3/600	95.38%	तृतीय
कक्षा–11	कु. आयुषी समैया	श्री अरविन्द समैया	श्रीमती सविता	474.7/500	94.94%	प्रथम
वाणिज्य	कु. सुरभि बघेल	श्री तारानसिंह	श्रीमती मनोरमा	462.7/500	92.54%	द्वितीय
	कु. गोशिया खान	श्री बशीरखान	श्रीमती साजिदाखान	456.9/500	91.38%	तृतीय
कक्षा–11	सौरभ साहू	श्री राजेश साहू	श्रीमती शीला साहू	455.1/500	91.02%	प्रथम
बायो.	कु. झलक जैन	श्री मनोज जैन	श्रीमती प्रीति जैन	446.3/500	89.26%	द्वितीय
	कु. शिवानी रघुवंशी	श्री शम्भूसिंह	श्रीमती विमला	436/500	87.2%	तृतीय
कक्षा–11	कु. उमा दाँगी	श्री धीरजसिंह	श्रीमती सन्ध्या देवी	479.3/500	95.86%	प्रथम
गणित	कु. शिवानी ऑचवल	श्री सन्तोष ऑचवल	श्रीमती सीमा	468.3/500	93.66%	द्वितीय
	सत्यम पटवा	श्री कोमलप्रसाद	श्रीमती मालती	461.8/500	92.36%	तृतीय

मेरिट वाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय-परिवार की ओर से

हार्दिक बधाई......!

विभिन्न कक्षाओं में विशिष्ट योग्यता वाले विद्यार्थी

क्र.	छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	कक्षा	विषय	प्राप्तांक
1	कु. अपूर्वा रघुवंशी	श्री अजीत सिंह	6	गणित, सा.वि.	99/100
2	कु. शेख रूफी	श्री शेख साबिर	6	अंग्रेजी	99/100
3	कु. आस्था दुबे	श्री देवेन्द्र दुबे	6	हिन्दी,	100/100
4	कु. आस्था दुबे	श्री देवेन्द्र दुबे	6	संस्कृत, विज्ञान	99/100
5	कु. दीक्षा रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	7	संस्कृत	100/100
6	कु. दीक्षा रघुवंशी	श्री रामकृष्ण रघुवंशी	7	गणित	100/100
7	कु. सोनम रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	7	गणित	100/100
8	कु. प्रतीक्षा रघुवंशी	श्री राजेश रघुवंशी	7	संस्कृत	100/100
9	कु. सोनाली बघेल	श्री रामस्वरूप बघेल	7	संस्कृत	100/100
10	कु. प्रतिभा शुक्ला	श्री प्रवीण कुमार	7	संस्कृत	100/100
11	शेख रमीम	श्री शेख साबिर	7	संस्कृत	100/100
12	शेख रमीम	श्री शेख साबिर	7	अंग्रेजी	99/100
13	कु. साक्षी राय	श्री संतोष कुमार	8	विज्ञान	100/100
14	कु. मधु दाँगी	श्री प्रभानसिंह	8	अंग्रेजी	99/100
15	कु. आकांक्षा वैरागी	श्री विशाल वैरागी	8	अंग्रेजी	99,/100
16	कु. आकांक्षा वैरागी	श्री विशाल वैरागी	8	संस्कृत	100/100
17	कु. कविता कुर्मी	श्री बलरामसिंह	8	गणित	100/100
18	कु. मनीषा शर्मा	श्री बालाराम	8	गणित	100/100
19	आयुष अग्रवाल	श्री मनोज कुमार	8	गणित	100/100
20	आयुष अग्रवाल	श्री मनोज कुमार	8	अंग्रेजी	99/100
21	कु. केशु जैन	श्री विकास कुमार	8	हिन्दी, गणित	100/100
22	कु. रानी रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	9	गणित	99.4/100
23	कु. रानी रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	9	सा.विज्ञान	99/100
24	शिवम रघुवंशी	श्री नारायणसिंह	9	गणित	99.3/100
25	कु. सुरभि बघेल	श्री तारानसिंह	11–C	व्या. अर्थशास्त्र	99.9/100
26	कु. आयुषी समैया	श्री अरविन्द समैया	11–C	बहीखाता	99.9/100
27	कु. आयुषी समैया	श्री अरविन्द समैया	11–C	व्य. अध्ययन	99.5/100
28	कु. उमा दाँगी	श्री धीरजसिंह दाँगी	11–M	गणित	99.8/100
29	कु. आकाश बाबू कुशवाह	श्री चन्दनसिंह	11–M	गणित	98.9/100
30	प्रसून तारन	श्री प्रदीप तारन	11–M	गणित	98.9/100
31	राहुल अहिरवार	श्री रामकिशन अहिरवार	11–M	भौतिकशास्त्र	98.6/100
32	प्रवेन्द्र रघुवंशी	श्री हमीरसिंह	11–M	गणित	98/100

परीक्षाफल एक नजर में

प्राथमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड A	B	C	D	E	प्रतिशत
शिश 'क'	121	117	117	79	21	05	12	-	100%
शिश 'क'	160	160	160	126	23	09	02	-	100%
01	128	128	128	30	48	47	03	-	100%
02	106	106	106	37	32	34	03	-	100%
03	142	142	142	48	39	47	08	-	100%
04	123	123	123	29	34	49	11	-	100%
05	124	124	124	31	29	54	10	-	100%

माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	ग्रेड A	B	C	D	E	प्रतिशत
6th	201	201	201	77	58	62	03	1	99.50%
7th	198	198	198	65	73	53	07	-	100%
8th	239	239	239	120	73	45	01	-	100%

उच्चतर माध्यमिक विभाग

कक्षा	कुल छात्र	सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	पूरक छात्र	अनुत्तीर्ण छात्र	श्रेणी प्रथम	द्वितीय	तृतीय	प्रतिशत
9th	271	269	220	26	23	132	71	17	81.78%
11-C	78	78	66	06	06	27	22	17	84.61%
11-B	39	39	38	-	01	19	19	-	97.43%
11-M	163	163	147	06	10	105	42	-	90.18%

DOLPHIN

From the house of Navankur

Merit List - 2013

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Nur.	Ku. Hrishika Raghu.	Mr. Rajaram	Mrs. Kavita	200/200	Ist	100%
	Saransh Saini	Mr. Dinesh	Mrs. Neelam	200/200	Ist	100%
	Ku. Khushi Jain	Mr. Pankaj	Mrs.Bharti	200/200	Ist	100%
	Ku.Tanushri Raghu.	Mr.Sitaram	Mrs.Rachna	199/200	IInd	99.5%
	Shree Sharma	Mr.Pawan	Mrs.Magha	199/200	IInd	99.5%
	Anuj Gurjar	Mr.Punjab Singh	Mrs.Hemlata	199/200	IInd	99.5%
	Sahil Vishwakarma	Mr.Pramod	Mrs.Poonam Bai	199/200	IInd	99.5%
	Arshan Khan	Mr.Kasim	Mrs.Rani	199/200	IInd	99.5%
	Shoury Sharma	Mr. Rakesh	Mrs.Preeti	198/200	IIIrd	99%
	Rishab Lodhi	Mr. Yogesh	Mrs.Chanda	198/200	IIIrd	99%
	Pradyumn Tiwari	Mr. Raju	Mrs.Chitra	198/200	IIIrd	99%
	Divyansh Soni	Mr. Mahesh	Mrs.Rashmi	198/200	IIIrd	98%
K.G.-I	Shivansh Raghuwanshi	Mr. Raj Raghuwanshi	Mrs. Rajkumari	199/200	Ist	99.5%
	Ku.Bipasha Thakur	Mr. Rajendra Singh	Mrs. Lekhni	199/200	Ist	99.5%
	Ku.Ramya Jain	Mr. Shiv Kumar	Mrs.Richa	197/200	IInd	98.5%
	Ku.Vaishnavi katarey	Mr.Ajay	Mrs.Anjali	196/200	IIIrd	98%
	Ku.Shambhavi Dubey	Mr.Ved Prakash	Mrs.Sarita	196/200	IIIrd	98%
	Ku.Harshita Raghu.	Mr.Dharmendra	Mrs.Vinita	196/200	IIIrd	98%
KG-II	Ku.Sonam Meena	Mr.Raghubir Singh	Mrs.Sheela Bai	198/200	Ist	99%
	Ku.Udita Agrawal	Mr.Neelesh	Mrs.Meena	198/200	Ist	99%
	Aditya Meena	Mr.Balbeer Singh	Mrs.Vimla	197/200	IInd	98.5%
	Harshit Vishwakarma	Mr.Devendra	Mrs.Sudha	197/200	IInd	98.5%
	Ku.Saloni Vishwakarma	Mr.Ramsevak	Mrs.Meera Bai	197/200	IInd	98.5%
	Ku. Soumya Jain	Mr.Mukesh	Mrs.Sangeeta	195/200	IIIrd	97.5%
Std-I	Ku. Naina Kori	Mr.Ghanshyam	Mrs.Seema	896/930	Ist	96.34%
	Ku.Avni Jain	Mr.Rajiv	Mrs.Rajni	895/930	Ind	96.23%
	Ku.Surbhi Raghuwanshi	Mr.Vijay	Mrs.Jaynti	893/930	IIIrd	96.02%

Class	Student's name	Father's name	Mother's name	Marks	Rank	Per.
Std-II	Ku.Ritika Choudhary	Mr.Rajesh	Mrs.Suman	913/930	Ist	98.17%
	Yash Raghuwanshi	Mr.Yogesh	Mrs.Vinita	912/930	IInd	98.06%
	Ku. Kanishka Richhariya	Mr.Pawan	Mrs.Nidhi	906/930	IIIrd	97.41%
Std-III	Himanshu Raghuwanshi	Mr.Devendra singh	Mrs.Jayshree	1094/1150	Ist	95.1%
	Harshit Bhargav	Mr. Neeraj	Mrs. Mithlesh	1087/1150	IInd	94.52%
	Ku. Akshada Deshpande	Mr.Manish	Mrs.Ratna	1074/1150	IIIrd	93.39%
Std-IV	Harsh jain	Mr.Manoj	Mrs. Preeti	1128/1150	Ist	98.08%
	Anshul Meena	Mr.Raghuveer	Mrs.Sheela	1113/1150	IInd	96.78%
	Dhruv Rai	Mr.Subhash	Mrs.Roshni	1094/1150	IIIrd	95.13%
Std-V	Ku. Knau priya Mehta	Mr.Rajendra	Mrs.Vandana	1108/1150	Ist	96.34%
	Ku. Nikita Chouksey	Mr.Atul	Mrs.Mamta	1080/1150	IInd	93.31%
	Ku. Chitranshi Shrivasta	Mr.Om Prakash	Mrs.Madhu	1074/1150	IIIrd	93.39%
Std-VI	Ku. Shilpi Raghuwanshi	Mr.Yujvendra	Mrs.Vinita	1622/1710	Ist	94.85%
	Ku.Sini Mahalwar	Late Mr.Vinod	Mrs.Savita	1607/1710	IInd	93.97%
	Aishwary Dongre	Mr.Avinash	Mrs.Archna	1578/1710	IIIrd	92.28%
Std-VII	Aniruddha Sharma	Mr.Manoj Kumar	Mrs.Neetu	1645/1710	Ist	96.19%
	Piyush Mathur	Mr. Sanjay	Mrs.Meenakshi	1576/1710	IInd	92.16%
	Aman Raghuwanshi	Mr.Kamlesh	Mrs.Preeti	1565/1710	IIIrd	91.52%
	Ajay Sharma	Mr. Rajendra prasad	Mrs. Pushpa	1565/1710	IIIrd	91.52%
Std-VIII	Abhishek Dangi	Mr.Jaswant singh	Mrs.Bhagwati	1599/1710	Ist	93.50%
	Akshay Kumar Tiwari	Mr.Manoj Kumar	Mrs.Savita	1599/1710	Ist	93.50%
	Nitin Richhariya	Mr.Anil	Mrs.Neeta	1589/1710	IInd	92.92%
	Aman Sahu	Mr.Raju	Mrs.Guddi Bai	1385/1710	IIIrd	80.99%

Congratulation....!

RESULT AT A GLANCE-2013

Class	Total Students	Appeared Students	Pass Students	Grade					Percentage
				A	B	C	D	E	
Nursery	123	123	123	105	12	04	02	-	100%
K.G.I	113	113	113	93	10	06	04	-	100%
K.G.II	92	95	92	71	17	03	01	-	100%
I	89	89	89	58	24	07	-	-	100%
II	67	67	67	47	15	05	-	-	100%
III	63	63	63	35	20	08	-	-	100%
VI	64	64	64	37	21	06	-	-	100%
V	65	65	65	35	23	07	-	-	100%
VI	52	52	52	23	16	13	-	-	100%
VII	30	30	30	19	08	03	-	-	100%
VIII	20	20	20	08	09	03	-	-	100%

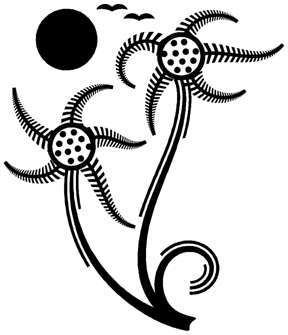

कक्षा–9 की पूरक परीक्षा की समय सारिणी – वर्ष 2013

दिनांक	दिन	समय	विषय
8/6/13	शनिवार	प्रातः 8 बजे	हिन्दी/गणित
10/6/13	सोमवार	प्रातः 8 बजे	अंग्रेजी
12/6/13	बुधवार	प्रातः 8 बजे	सामाजिक विज्ञान
13/6/13	गुरुवार	प्रातः 8 बजे	विज्ञान

नोट : कक्षा–11 की पूरक परीक्षा दि. 13/6/13, दिन–गुरुवार को प्रातः 8.00 बजे से संपन्न होगी।

नन्ही कूची

– चांदनी राठौर
कक्षा–7

नवांकुर संगीत-विद्यालय

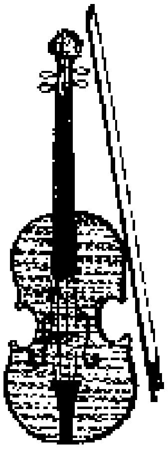

प्रयाग-संगीत-समिति इलाहाबाद से सम्बद्ध

अब शास्त्रीय संगीत-शिक्षा सबके लिए

1 अप्रैल 2013 से

प्रवेश प्रारम्भ

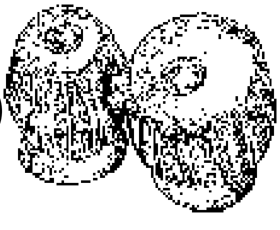

कक्षाएँ : गायन, तबला-वादन, वायलिन-वादन, हारमोनियम-वादन, चित्रकला

समय : सायं 5 से 7 बजे तक
तथा ग्रीष्म-अवकाश में
प्रातः 8 से 11 बजे तक

सम्पर्क : नवांकुर-मुख्य भवन, बरेठ रोड, गंज बासौदा,
फोन : 221066, 223399

क्रियाशील प्रगति-परिषद् द्वारा संचालित

पंजीयन क्रमांक 5836/20.08.1977

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त

नवांकुर स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साईस

- अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा अध्यापन एवं प्रशिक्षण
- आधुनिक एवं सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला

नवांकुर भवन, बरेठ रोड, गंजबासौदा दूरभाष : 221066

email : nvpbsd_2007@ rediffmail.com, Website : www.navankurvidyapeeth.com